

GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A _ 001 _ 0065**

Classification:

Original File No. 10

Title

Head supervisor, Lutheran Schools, Ranchi.

Volume:

Running from year: 1959 till year: 1961

Content:

- Report of Chirodanr M.E. School.
- Letter from Publisher - 12-12-60.
- Letter to Distrcet Education Officer - 8-12-60.
- Letter for Block Grant - 31-10-60.
- Letter for D.A. & Invirment – 21-10-60.
- Joining Report of Ishwar sahay Aind Advertisement for Haed Master.

NAG'S

IFILAT IFILIE

EXTRA THICK QUALITY.

1959-61

File No. 10

Name

Head Supervisor
LUTHER COLES

Subject

Miscellaneous

4/2/61

Chisodaur M.E. School

1. The present M.C. with the aid of Mr. Kumbhkar & Gauderak of the village have started a proposed H.E. school and without the permission of Mr. Shaker.
2. Chisodaur school is run with the joint effort of Bursang and Chisodaur.
3. The effort to start the school is mainly due to the Kobja Panchayat.
4. The old m.c. was dissolved by the H.E. in 1959 (Dec) and reconstituted it. The old m.c. was formed by Mr. Shaker.

He was first
suspended in
1960 & 5
suspended from
1961

Amish Singh has appeared to the Shaker apart the discharge notice. He attends the school but is given no place in the routine. The Dy. Super. & the S.D. both have taken no action. The Dy. Super. has visited the school on 10/1/61, and has remonstrated against this action. The present secretary Sri. Anand Prakash Kharkho is a Govt. servant. He has not taken any provision for the Sept. He is of Kobja Panchayat. Bursang is a separate Panchayat. The Kumbhkar Sri Jagmull Singh is the chairman of the m.c. Kumbhkar Kharkho has after the visit of the Dy. Super. resigned from the duty. and in his place is one ———. Bursang has been elected secretary.

1. Marbenda Eeka
Asst Teacher
M.C. School Konda
Mekka From Konda
Mekka.

2. Jahan Toppo
Teacher Hathabheri L.P. School
(G.P. Abinipal School)
Mekka member

6. The Mekka meeting was held at
Konda on 31/1/61 and discussed this
situation. They decided to approach
the H^d Supervisor. The above two were
expected to meet the H^d Supervisor.
Margules Toppo Konda was absent in
this meeting although he was given notice
for the meeting.

7. Mekka Chairman Konda
no. Konda Ranchi
Asst Toppo
H^d Konda Konda
Secy Konda Mekka
no. Konda, Ranchi.

8. Referring to the report from H^d Supervisor
Mr. Anand Lal being in charge of the
school. Trouble arose at the time of handing
over

hr
- 4/12/01

श्रीमान

हेड-सुपर-मैजर लुपैरान स्कूल रांची

महोदय,

सेवा में निवेदन है कि विधि 39-9-61 से की जा रही है। एल. चाचे कोन्डरा इलाका की बैठकी में प्रस्ताव आया उसकी फैसला का नकल श्रीमान के निकट उचित कार्यवाही के लिये प्रेषित की जाती है।

१ विषय — चिरौडांग मिडिल स्कूल ।

चिरौडांग मिडिल स्कूल के प्रधान अध्यापक श्री मंगलदास लकड़ा के आचरण और अनुशासन संतोषजनक नहीं है क्योंकि —

१- प्रधान अध्यापक हीकर हट से ज्यादा निशापानी का व्यवहार करते हैं।

२- प्रधान अध्यापक अपनी इच्छा अनुसार नया मैनेजिंग कमिटी बना कर अपने सहायक शिक्षकों पर अनाधिकार दबाव कर रहे हैं।

३- प्रधान अध्यापक हीकर सहायक शिक्षकों को बिना सूचना दिये स्कूल काम छोड़ कर नहीं चले जाते हैं।

४- ग्राम पंचायत के मुखिया और ग्राम सेवक को अपनी आड़ बना कर एक विश्वस्त शिक्षक श्री अमृत लाल मिश्रा सहायक शिक्षक जी 1786 से

॥ इस स्कूल में विश्वस्तता से सेवा का काम करते आ रहे हैं उनकी जीविका पर कलंक डाल रहे हैं।

५- वर्तमान मैनेजिंग कमिटी से स्कूल स्टाफ और जनता में आशय है।

६- इलाका के बिना इजाजत से उच्च शिक्षा स्वीकृत माध्यमिक विद्यालय भवन में शुरू किया गया है इस लिये इलाका यह फैसला करती है कि श्री मंगलदास लकड़ा को बदली करा दी जाय।

वर्तमान मैनेजिंग कमिटी के सेक्रेटरी मसीह प्रकाश खलसी ग्राम सेवक एक सरकारी नौकर हैं; इस लिये वे कमिटी से तुरन्त हटा दिये जाय तथा कमिटी का नया चुनाव होना चाहिये। स्वीकृत विद्यालय भवन से उच्च शिक्षा अलग की जाय। श्री अमृत लाल मिश्रा सहायक शिक्षक की डिशचार्ज —

He is illegally
discharging the
managing Committee

नज़र है । वे जिस प्रकार काम करते आ
रहे हैं अपना काम जारी रखें ।

सेवा में

आप का विश्वास

Rev. J. Hujar
Chairman
G.E.L. Church
Kondra.
31.1.61

A. J. Hujar
Secretary
G.E.L. Church
Kondra
31-1-61

ms 1960

196
15/12

10.
2

विद्या भवन

पत्राचार तथा पुस्तक विभाग

20 जूनी 1965, पटना-8.

ता: 12-12-60.

Rev. Father,

नमस्ते!

आपको सेवा में कुछ दिन पूर्व अपनी पुस्तकें
नमस्ते भेजी थी। अशा है पुस्तकें आपको
पिल गइं होंगी-

कृपया इसे सूचित करें कि कौन कौन
से पुस्तकें आपको पलन्द आईं और कितनी
प्रतिमा इसके की चाहिए।

आपको सहयोग मिलते हैं इस
आपकी सेवा में पुस्तकें भेज देंगे।

विशेष कृपा करें।

भवदीय
चन्द्रमणि

8/C . 10
2

प्रधान पर्यवेक्षक रांची का कार्यालय

पत्रांक 282/एच
दिनांक १६-१२-१९६८

प्रेषित

पाद्री धर्मदास टोपो
प्रेसिडेन्ट किनकेल सिनद
जी.ई.एल.चर्च किनकेल

संलग्न

विषय : कॉन्जोबा एल.पी.स्कूल के शिक्षक श्री
सुरेश मिंज मिडिल टेन्ड के बाकाया आधार
वेतन के संबंध में /

महाशय

आप के सिनद के उपरोक्त शिक्षक श्री सुरेश मिंज को सन १९५८ के फरवरी
से उनका आधार वेतन १५ माह के दर से नहीं दिया जा रहा है जो बहुत ही आपत्ति
पूर्ण है विषय है। क्यों सिनद के अधिकारी और प्रबन्धाकारिणि समिति के सदस्य इस दि
क्षा में अब तक कुछ कार्रवाई नहीं कर रहे हैं यह बात समझ में नहीं आती है। आधार
वेतन बिना चुकती किये सरकारी अनुदान मिलना असंभव है अतः आप से निवेदन कर
कहना है कि आप तुरन्त ही उपरोक्त शिक्षक को उनका बाकाया आधार वेतन दे दें
और इसकी सूचना मेरे कार्यालय में तुरन्त भेजें /
कृपया इसे बहुत ही आवश्यक समझें /

प्रतिनिधि

मुख्यजय एक्का
मंत्री कॉन्जोबा
एल.पी.स्कूल आवश्यक
कार्रवाई के लिये प्रेषित /

आप का विश्वास

[Signature]
7/12/68
प्रधान पर्यवेक्षक
लूथेरान स्कूल रांची /

192
8/12

10

Lutheran Middle School, Marcha.

सेवा में,

श्रीमान् जिला शिक्षा अधिकारी राँची ।

वजह से,

हेड सुपर वाइजर लुथेरन स्कूल राँची।

महोदय,

सविनय निवेदन ऐसा है कि मई १९६६
महर्षि का कनेक्ट मिल जिला शिक्षा अधिकारी
के कार्यालय में जाँच करने पर नहीं मिला,।
जो उपसिरीस अधिकारी के कार्यालय से
पास हो कर आया है।

अतएव आप से नम्र निवेदन
है कि इसके विषय में फिर से जाँच करने की
कृपा करें।

तारीख २ दिसम्बर १९६६

पी० कोनगाड़ी
८-१२-६०
आप का विश्वास भजन
साहयमिक विद्यालय
मर्या ।

प्रेषक - श्री. मिरिण्ड गुडिया, प्रधानाध्यापक
183
1411
लुनेरान यू.पी. स्कूल, तपकारा
पी.ओ. - बरका (राँची)

पोषित - श्रीमान हेड सुपर वाइजर,
लुनेरान स्कूल, राँची।

विषय - मेरे Block Grant पर अर्जा।
सहायता,

कुपर कथित रकम के बारे में क्या हाल है मुझे कुछ पता नहीं चल रहा है। अगर बिल और को बिलों को सही न रहने के कारण रुका हुआ है तो मेहरबानी करके मुझे आपना मिल जाने का कुछ उपाय बता लीजिए, और उनके कामों के बारे में पुनः बात होगी।

P.T.O

इस कृपा हेतु मैं श्रीमान
का सदा आभारी हूँ।

आपका विश्वास्त
फिलिप गुडिया,
31.10.66

पोस्ट कार्ड



The Head Supervisor

Lutheran Schools,

Kanchi.

175
7/11

Umbulbaha 10
26.10.20

To, The Head Supervisor of Lutheran
Schools Ranchi

महोदय,
आप को सूचित है कि हमारे स्कूल की शुद्धी सारा पूर्ण
अधिका भी अब तक डिल पास नहीं
जग होती है, सो फॉरवर्ड करने लिए स्कूल
के अधिकाधिका को लिरने में कृपा
करेंगे - याने १० मार्च १९६० से अब तक
में ही काम कर रही हैं। P.T.O

॥ सी वाम आप ने रुकवाए
 Mr. Surin के लिये Mr.
 Surin का रैफल के कोरे
 ने लेने के लिए कहे थे, कि
 ने रैफल हो गया है लेने को
 कता वे रैफल की बेचखि
 है अथवा नहीं; उन ले जाय
 कहें तुमको रख देंगे ॥

आप का निवेदन
 मि. एम. एम.
 G. F. L. M. School
 Kumbhalgarh
 P.O. Birbani

पोस्ट कार्ड



The Hd Supervisor
 of Lutheran Schools
 Ranchi
 G. F. L. Church
 Ranchi

श्रीमान,

जिला शिक्षा अधीक्षक राँची

द्वारा हेड सुपरमेजर लुथेरान स्कूल राँची ।

महाशय,

मेरी निभुक्ति पत्र संख्या 66ई तिथि 12-10-६० के अनुसार मिडिल ट्रेन्ट के स्थान पर निभुक्ति की गई है, और मिडिल ट्रेन्ट के व्यवधानुसार ही पेय मिल रहा है।

मैं मैट्रिक पास एवं सी बी सी टी की परीक्षा में भी सफलता प्राप्त कर चुकी हूँ। अतः आप से सनम निवेदन है कि आप मेरी व्यवधानुसार वृद्धि वेतन एवं सामान्य सहगी भता निश्चित करने की कृपा करें।

इस उपकार के प्रति मैं सदैव आपकी ऋणी बनी रहूँगी।

सुश्री नोरा हेमरोम
कन्या पाठशाला गोबिन्दपुर
पो. ऑ. गोबिन्दपुर
जिला राँची

आपकी आज्ञाकारिणी
नोरा हेमरोम
29-99-६०

- (1) श्रीमान अवर प्रमंडलीय शिक्षा पदाधिकारी खुंटी (रैंची)
- (2) श्रीमान हैडमस्टर मैजर जुपेरान स्कूलस रैंची। और
- (3) श्री सुशील कुमार नागे समः एनः एनः एनः विरोधी दल के नेता पटना एसम्बेनी।

महाशयगण!

आप महाशयगणों के समक्ष हम तपकारा जुपेरान यू पी स्कूल के अवर निधालय निरीक्षक तौरपा उत्तरी प्रंचल की जांच पर निम्नलिखित बातें विशेष विचारार्थ प्रस्तुत करते हैं।

प्रस्तानता: — श्री हार्बिल गुडिया भूतपूर्व शिक्षा क जुपेरान यू पी स्कूल तपकारा के पूर्व की के छात्रों से सादा कागज पर दस्तखत कराके ऊपर के शिक्षा पदाधिकारियों के पास फौरन सम्बन्धी बाबों का जिक्र किया जिसके अनुसार अवर प्रमंडलीय शिक्षा पदाधिकारी खुंटी (रैंची) ने अपनी पत्र संख्या ६१६-२७ दिनांक २६ अप्रैल १९६० के अनुसार दिनांक १४-५-६० को जांच करने के लिये और पत्र संख्या १३७३-८१ दिनांक २६ जून १९६० के अनुसार दिनांक २६-७-६० को इस सम्बन्ध में जांच करने के लिये प्रधानाध्यापक जुपेरान यू पी स्कूल तपकारा को सूचित किया था। परन्तु ने ऊपर उचित दोनों बारीखों में नहीं पाये। तीसरी बार दिनांक २०-१०-६० को अवर निधालय निरीक्षक तौरपा उत्तरी प्रंचल ने बिना सूचना दिये आ गये स्कूल के छात्रों से फौरन सम्बन्धी बाबों की जांच स्कूल के सेक्रेटरी और प्रधानाध्यापक की अनुपस्थिति में की। ४ नवंबर के छात्रों ने सीधे यह जवाब दिये कि हम लोगों को — (1) हार्बिल मास्टर सादा कागज पर नहीं कराया था। हम लोगों का लिखा हुआ आवेदन पत्र नहीं है। (2) हम लोग फौरन नहीं देते हैं।

तत्पश्चात् उन्होंने नीचे के वर्गों के छात्रों से भी इस सम्बन्ध में पेश्वर सूत्रों पुलिस की चमकी सीधे जांच की। विशेष सूत्रों से यह पता चला कि अवर निधालय निरीक्षक, तौरपा ने अपने साथ तौरपा के पशु डाक्टर को भी ले पाये थे, तथा उन्होंने भी छात्रों से इस सम्बन्ध में पूछ ताछ की। उनकी जांच से निम्नलिखित बातें पायी जाती हैं — जो हम स्थानीय लोगों के लिये विशेष खरक की बातें हैं। —

- (1) ने तौरपा उत्तरी प्रंचल के निधालय निरीक्षक हैं। तौरपा दक्षिणी प्रंचल के अन्तर्गत जो स्कूल है, उसमें बिना सूचना दिये यह काम क्यों किया?
- (2) उन्होंने अपने साथ एक पशु डाक्टर को क्यों ले पाये! पशु डाक्टर का स्कूल में क्या हक है, जो हमारे बच्चों से फौरन की जांच करे?
- (3) उन्होंने जांच करने के पहले उपरिचयित शिक्षकों को नहीं दिखाया क्यों? उन कि अवर प्रमंडलीय शिक्षा पदाधिकारी, खुंटी ने दो-दो बार अपना प्रोग्राम प्रधानाध्यापक को दिये, किन्तु ये बिना सूचना दिये पाये, तथा ये अवर प्रमंडलीय शिक्षा पदाधिकारी, खुंटी से भी ऊपर दर्जे के अधिकारी हैं।
- (4) अज्ञात बच्चों को उन्होंने पुलिस की चमकी क्यों दिये? जब कि उन्होंने ४ नवंबर के छात्रों से कहा था कि देखो! हम लोग स्कूल फौरन

देते ही पर सभी इनकार कर रहे हैं। हम लोगों से जांच करने के लिये पुलिस को जे जायेंगे और कुम्हारों बातें हाई कोर्ट तक चली जावेंगी।

(५) यहाँ पर हमारे कुपेरान यू पी स्कूल तपकारा में कोई शिक्षक स्कूल फीस नहीं देते हैं, और न कोई छात्र ही फीस देता है। अतः पुलिस की धमकी पाकर किसी बड़े ने कह दिया, कि मैं फीस देता हूँ। - तो इसी को आधार मानकर जिसने कहा कि मैं नहीं देता हूँ - उससे और बर्ग के अन्य छात्रों से भी जनरल कथों सही कराये।

(६) हाबिल गुडिया अतः पूर्ण सहायक शिक्षक कुपेरान यू पी स्कूल, तपकारा ने पूनें वर्ग के छात्रों से सदा कागज पर सही कराया था। और इसके अनुसार अगले विद्यालय निरीक्षक ने पूनें वर्ग के छात्रों से जांच किये। छात्रों ने सौधे जवाब दिये और जांच करने वाले की लिखकर भी दिये कि -

(१) स्कूल फीस के संबन्ध में अगले विद्यालय निरीक्षक, तैरपा ने जो प्रवेदन पत्र दिखाये - हम लोगों का लिखा हुआ नहीं है। हम लोगों को सदा कागज पर सही कराया था।

२। - हम लोग फीस नहीं देते हैं।

उपर्युक्त दोनों बातों का समूह भी अगले विद्यालय निरीक्षक की भिन्न पर उन्होंने अन्य वर्गों के छात्रों से कथों इस बात की जांच की।

(७) उन्होंने जांच के समय शिक्षकों को कथों वर्ग से बाहर जाना को कहा और एक चौर के समान यह काम किये।

(८) प्रधानाध्यापक जनगशाना के काम में बाहर गये हुए थे। अगले विद्यालय निरीक्षक ने उनके हस्ताक्षर करने के खाने में "अनुपस्थिति" का रिमार्क कथों किये। इससे पता चलता है कि इनका शिक्षकों को राज्य की आशाकारी बनने से रोकने का उद्देश्य है।

(९) स्कूल की मुलाहिजे के सम्बन्ध में स्कूल के शिक्षकों की मुलाहिजे वाली सहित अपना कार्यालय तैरपा कुवा लेते हैं और वहीं से स्कूल की मुलाहिजा करते हैं। वे स्कूल की मुलाहिजा करने के लिये किसी स्कूल में जा नहीं सकते हैं। तो इस सम्बन्ध में जांच करने दोषारोपणा हेतु उन्होंने दिलचस्पी ली। इससे पता चलता है कि इस स्कूल के बारे उनकी नीयत अच्छी नहीं है।

उपर्युक्त निवर्तों द्वारा यह पता साफ़ चलता है - कि -

(१) हमारे कुपेरान यू पी स्कूल तपकारा में किसी भी छात्र से स्कूल फीस नहीं ली जाती है।

२। - जब कि एक स्कूल के बारे उनका इस प्रकार का भीतरी ख्याल रहे तो हम लोग इनके जोरिये स्कूल की रदा तथा उत्थिति की आशा अभी नहीं रख सकते हैं।

३। - अतः श्री प्रेमनाथ पुसाद सिंह, अगले विद्यालय निरीक्षक, तैरपा। श्री ध्याति-शोध बदली किये जायें।

संकल्पः— यह विषय विशेष विचारार्थ स्वं कार्य नहीं के निमित्त
निम्नांकित सज्जनों को प्रशस्त किया जाय—

- (१) श्रीमान् प्रणर प्रमंडलीय शिवा पदाधिकारी, खुर्दा (राँची)
- (२) श्रीमान् हेड सुपर-मैजर, बुपेरान स्कूल, राँची ।
- (३) श्रीमान् सुशील कुमार बगि; एमः एलः एं, निरीक्षक टन के नेता
परना एसम्बोकी ।

सभापति—
कल्याण शुद्धिया
गुड्डु होतु २६-१०-६०

- १ सुलेमान गुड्डिया तपनार
- २ इसहक सुग्गुनि तपनार
- ३ मनसिद्ध गुड्डिया जोरनार
- ४ मशहूर सुग्गुनि तपनार

संकेतः—

पौलुस गुरुका कलेर
२६-१०-६०

श्रीमान हेर सुपरमेनर लुचरेन स्कूल राँची

महोदय,

आप को निहित किया जाता है कि मरचा पेरिस के मेरोमनीर
मराठली में यू. पी. स्कूल खोल दिया गया, जो प्रस्तावित है। स्कूल को
स्थापना 23-12-1948 को हुई है। स्कूल का पूरा भार मैनेजिंग कमिटी
के ऊपर है। स्कूल का खर्चा कम है पर दिनों दिन बढ़ रहा है। पर
मैनेजिंग ^{कमिटी} उपयोग होने के कारण स्कूल की स्थिति को सम्भलने में
लचार् पड़ा। स्कूल की स्थिति को सुधार में लाने के प्रति कमिटी
हर तरह के साधन से उपयोग रहा। पर फिर भी कमिटी को
स्कूल का विशेष ख्याल है अतः अब स्कूल को सरकार ^{के} हाथ में
रखना उचित समझा है।

उपरोक्त विवरण के मत पर ~~अपना~~ आप अपना मतानुसार
भाव प्रकट करते इस का उत्तर देने की कष्ट करें।

स्कूल विवरण :-	स्कूल घर -	सम्पत्तिसंख्या -	क्षेत्र
4 बॉ की पूछा	कान	1	144 वर्ग गज
8 का 11 12 दल	खेल मैदान	1	2000 वर्ग गज
16 11 कुल 1448	खेल समूह	3	...
	पुस्तकालय	0	...

सा. ए. ए. वि. ल. व. र. ल.

सा. ए. वि. ल. व. र. ल.

सा. ए. वि. ल. व. र. ल.

स. ए. वि. ल. व. र. ल.

स. ए. वि. ल. व. र. ल.

स. ए. वि. ल. व. र. ल.

स. ए. वि. ल. व. र. ल.

स. ए. वि. ल. व. र. ल.

स. ए. वि. ल. व. र. ल.

आप का विस्वरत -
S. G. M. Guria

No. 197 /60-HS-10.

From

The Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

To,

Sri Samuel Horo,
Secretary, Gopalpur U.P. School,

Dated Ranchi, the 27th Sept. 1960.

Dear Sir,

Kindly refer to my no. 193 dt. 13/9/60 and come to my office along with necessary register for receiving payment of the Block Grant of your school at an early date. Further delay will be your responsibility for receiving late payment and disbursement of the same to the teachers of your school.

Yours faithfully,

W. H. 27/9/60
Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

To the Head Supervisor,

Luthern schools Ranchi,

Through,

The Head master Luthern M.F.
School Govindpur.

Sir,

As directed by you I have joined
the Luthern M.F. School Govindpur,
as an Assistant teacher in place of
Shri Hanuk Guria transferred,
with effect from 8th September 1960
forenoon.

Yours faithfully

Date 8/9/1960

Ishwar Sahay
Ained.
Assistant teacher.
Luthern M.F.
School Govindpur

To

The secretary

Lutheran Girls U. P. School

Lohardaga.

महोदय

आप को ज्ञाती हूँ कि मैं १६ जुलाई १९६० से ३३ अगस्त १९६० तक बिमारी घुटी में थी। अब १ ली सेप्टेम्बर १९६० को स्कूल जॉइन कर अपना काम कर रही हूँ।

आप की निश्चिन्ता सेविका

प्यारी मिंज प्रधानाध्यापिका

लुथेरान अ. प्रा. लड़की स्कूल

लोहरदगा

५.६.१९६०

कोपी :- हेड सुपरवाइजर

लुथेरान स्कूल्स रांची।

From ~~my~~
The Secretary
Luthian Middle School, Tapkora

To The W.D. Supervisor
Luthian Schools, Ranchi:

Dated Tapkora the 8th Aug 1960.
Subj: Authorising the W.D. Supervisor to deal with
the Late H.D. Masari Khatri Quota of Tapkora
Luth. Middle School Tapkora and the S.D.O
Khunti about Rs 450/-.

Sir,
Would you kindly take trouble of trying
to get Rs 450/- subscribed for the purpose
to get recognised the Luth Middle School at
Tapkora which is with the Late H.D. Masari
Khatri Quota as the School Committee resolves.

Yours faithfully
Mr Sang,
8.8.60
Secretary
Luth. Middle School
Tapkora.

No

Trg - 1

Mr. N. F. Hora

24/6/60

Chota Nagpur Diocese
Church of India, Ranchi.

Dated 23rd June, 1960.

Dear Sir/Madam,

In view of the latest Govt. Syllabus for training schools and subsequent Departmental orders, it is proposed that a memorandum be submitted to his Excellency the Governor for the redress of difficulties and inconveniences faced by Mission Training Schools.

With this end in view a meeting of the authorities running Church managed Training Institutions is going to be held in the Lodge of the Bishop of Chota Nagpur Ranchi on Tuesday 28th of June 1960 at 3 P.M.

If you agree with the proposal kindly send me your consent and asking do try to attend the meeting with all your problems and suggestions. Of course you are to come at your own expense.

The Rev. F. Whyte of the A.C. Mission, Ranchi is preparing a draft memorandum.

Yours faithfully,

A. Girish

Superintendent,
S.P.G. Mission S. T. School, Ranchi.

74000
15/6/60

*** A D V E R T I S E M E N T ***

WANTED an experienced and trained I. A. passed Christian male teacher for the post of Head Master for St. Paul's Proposed Middle School, Ranchi, on a pay of Rs. 60/- p.m.

Experienced I.A. or B.A. passed teachers may also apply.

Applications with true copies of Certificates and testimonials should reach the Secretary before 23rd June, 1960.

Sd/- A. S. G. Tirkey.

Secretary,

St. Paul's Proposed Middle School,

R A N C H I.

Dated : 11th June, 1960.

No. 206.

From

The Superintendent,
Church of India, E. T. School,
Ranchi.

To

The Sub-Divisional Education Officer,
Ranchi.

Dated the 11th June, 1960.

Sir,

In continuation of my letter No. 162 dated 20. 4. 60 on the subject of admission of candidates for the next session 1960-62 in this school, I have to request you to be so good as to nominate the Govt. quota of stipendiary candidate and direct them to join this school with their education certificates on or before 10 A.M. on 11th July, 1960.

The Church candidates are joining on 1. 7. 60.

Yours faithfully,

Sd/ A. S. G. T. K. S.
Superintendent,
S.P.S. Mission E.T. School, Ranchi.

No. 207 / Dated 11. 6. 60.

Copy to the District Superintendent of Education, Ranchi and the Deputy Inspector of Schools, Sadar, Ranchi for information and favour of the needful.

Sd/ A. S. G. T. K. S.
Superintendent,
E. T. School, Ranchi.

No. 208 / Dated 11. 6. 60.

Copy to the Head supervisor Lutheran Schools, Ranchi for information and the needful.

For Sir
Superintendent,
E. T. School, Ranchi.

160.
11/6.

no. 11/6/60

G.E.L. Church
Gunda
9-6-1960.

10

20

The Head Supervisor,
Lutheran Schools' Ranchi.

महोदय,

आप को प्रार्थना है।

आप का तार १-६-१८६० पाकर पर मैं पूरा पूरी जो मांग जा रहा है नहीं देने सक रहा हूँ क्योंकि ऐसे समय में पत्र मिला कि कुछ करते न बता कि घर से विशेष विमारी की चिन्ता भा गये। मैं छोड़े विषयों को जताता हूँ।

(1) Jarjata L. P. School.

(2) एक मौला (जखटा) पर मौला बड़ा है।

(3) राइडीह।

(4) कंडांग, L. P. School. सलकाया middle school, बिकेरा L. P.

(5)

(6) एक मिसट्रेस आत ट्रेन

(7)

(8) P. P. तक बढ़ सकता है।

(9) जगह जमीन काफी है।

(10)

(11) प्रत्यक्ष दस से ११ बरस के ही लड़के लड़कियाँ उपस्थित होते हैं।

आप का विश्वास
Rev. S. M. Page.

116/15
245

No - 10

Umbulbaha
The 19th April 60

To

The Head Supervisor of Lutteram schools
Ranchi G. K. L. Chaudhary
Ranchi

Sir

apko sabina malum hoe ki (i) Miss Sarda
Puri ki aproved S.S.S. Tamar द्वारा 10-3-60 से
हो गई है और वह काम करती है। (ले आद को मालूम होवे
(लिखित भी aproval letter मिली है)

II श्री. वार-कि डेमलोकमेंट रुपैया बाबत में दिलायी
का डोर हो गया है- पर बीस लाख नहीं मालूम है।
जिसे आद को भी मालूम नहीं है, सुभाष
लुभाषा विदुषी है चिन्ता द्वारा जांच करेंगे ॥
III श्री. आनन्द जी वार है कि तिथि 12-4-60

को हारे उम्बुलवटा मंडली
 ने उम्बुलवटा मिडिल स्कूल
 के सेक्रेटरी मास्टर उद्देशार्थ
 भूतारा किम्वे. जो की एक विधि
 मान के थे आशा है उक्त कार्य
 सदा का ध्यावन्तु है जय मा
 विरयेगे - नाम. Muchirai
 munda Senjani P.S. Taner
 नंदनगाम Christ Aeral
 Niaranjam Soy - मां
 जि. मा. 1092-8-40 के
 उद्देश के खाता करती है वडी
 धर्म धर्म के साथ धर्म के साथ
 नरक दुई धर्म दो दुई है। उक्त 1297
 धर्म मां 2018 देवे॥

पोस्ट कार्ड

22 नवंबर 1980
 नरम

Y



The Hd Supervisor
 of Lutheran schools

Ranchi G. E. S.

Church Ranchi

B. T. J. J.
 11/11/80
 School Numbalbat

84
2/5

10

Malik Jurdar

P. O. Jurdar

25/5/60

119
2/5

श्रीमान, लेकरी काय को श्री मुख्तार।
आगे सुनिता किया जाता है कि मिस्टर दुलारी
लिङ्ग स्कूल 2-2-60 से 3-3-60 तक लक्ष्मता
की को 9ली अप्रैल स्कूल जाती जाती है।
किसी तरह का Resignation नहीं दी है।
परन्तु उस को स्कूल की कोई चला नहीं
है। तथा प्रत्येक गर्वों की भी राय है कि
न लक्ष्मता न रहे। उस की नहरी चल
रहा है जमा।

इस समय माईधो
 का स्कूल और कोई
 चलाय नहीं है। फिर
 मा स्कूल बंद की
 और से बने पर है।
 माईधो की भी इच्छा
 है कि दूसरा स्कूल हो
 जाम जूकि मिश्रा कुल
 नाम पर है आज का

J. J. Singh
 20/4/61



The Grand Superior
 Lutheran School is
 G. E. L. Church
 Compound Ranch
 Ranch.

101
9/4 NO. 8-60.55-2 From the President
Bingu synod
To, Mr. Bingu 10// Bingu 4/4/60
The Head Supervisor
Lutheran schools Ranchi

Sir,
In reply of your letter NO 111/60.HS.4 dated the 25th March 1960, NO 88-97/60 HS.10, dated 16th March 1960, and NO 96-60 HS.10 dated the 19th March 1960, I beg to inform as follows.

- 1, I agree with you in the transfer of effect of Mr. C.D. Sirkha to March Middle school.
 - 2, I have sent orders to all the Slaka chairmen to open the P.F.a/c. of Primary and Middle schools Teachers within their area from 1st April 1960.
 - 3, I have asked the Slaka chairmen to send their Slaka Budget for 1960 to my office as early as possible. I hope I can submit the consolidated budget to your office by the end of this month.
- yours faithfully
J. Guerin 4/4/60
Synod President Bingu.

100
9/4

10

प्रेषक - सिनोद प्रेसिडेंट, किनकेल जटाटोली ।
तिथि ४-४-६० ई०

प्रेषित - हेडसुपर वैजर
लूथेरान स्कूलस रॉंची ।

महाशय,

I

आप की चिट्ठी न० ८८ - टी०/६० तिथि १६ मार्च ६० के अनुसार स्कूल मैनेजिंग कमिटीयाँ शिक्षकों के प्रोमिटेड फंड देने और कटवाने के इच्छुक हैं। पर हम इससे अनजान हैं कि स्कूल मैनेजिंग कमिटीयाँ शिक्षकों के प्रोमिटेड फंड का बहुरूपया जिन्हें वह देगी, कहां पर रखा जायगा। सेविंग बैंकों में पास बुक करके रखा जा सकता है या और कहीं दूसरी जगह।

कृपा कर इस विषयक हमें सूचित करें। शिक्षक भी प्रो. फंड कटवाने को चिन्तित हैं।

II

आप की चिट्ठी न० ८६/६० के अनुसार स्कूलों का बजेट इसी के साथ नहीं करके भेजा जा रहा है।

आप का विश्वास -

Rev. H. Kullu.
Jatatoley.

जी.ई.एल. प्राइमरी स्कूलों का बजेट - १९६० ई० किनकेल सिनोद । ग्रामद ।

क्र.	स्कूल का नाम	सरकार से	दान से	चन्दा से	कुल योग	कैफियत
१	प्र० पी० स्कूल जटाटोली	१४०४.	३६०.	१२०.	१९४४.	इन तीन स्कूल को छोड़ कर अन्य सभी स्कूल नोर्थ जोन के अन्दर हैं। वास्ते उनके बजेट का हिसाब देने में असमर्थ हैं।
२	एल० पी० स्कूल बोन्डोबरी	-	६०.	१२०.	१८०.	
३	एल० पी० स्कूल गलाडीह	-	६०.	१२०.	१८०.	
	-	१४०४.	४८०.	४२०.	२३०४.	

नोट - गलाडीह एल.पी. स्कूल स्वीकृत है पर शिक्षक न रहने के कारण बन्द हो गया था। जनवरी ६० से फिर स्कूल चल रही है, पर शिक्षक की बहाली अब तक जि० बि० भ० से नहीं हो सकी है।

प्राप का विश्वास लेवक -

Rev. H. Kullu. 4/4/60

सिनोद प्रेसिडेन्ट

किनकेल जटाटोली ।

P.T.O.

खर्च का बजेट १९६०

नं०	स्कूल	मूल	वृद्धि	महंगाई	प्र० भ० भत्ता	योग	कैफियत
१	यू० पी० स्कूल जटाटोली	५४००	२४००	५४००	२४००	१६४४००	जटाटोली यू० पी० स्कूल में २ ट्रेड १ अट्रेंड कुल ३ शिक्षक हैं।
२	एल० पी० स्कूल बोन्डोबारी	१२००	-	-	-	१२००००	-
३	एल० पी० स्कूल गताडीह	१२००	-	-	-	१२००००	-
		१४००० ६०००	२४००	५४००	२४००	२३०४००	-

सिनोद प्रेसिडेंट - Rev. H. Kullu.
4/4/60
किनकेल

7/7/4. Feb - 10

G. E. L. Church

Gumla

31-3-60

To, The Head Supervisor
Lutheran School Ranchi.

महोदय,
श्रीधरदास ।

आप को ज्ञाते हैं कि यहां अभी कोई
Primary School में Teachers' Provi-
dent Fund रखने के समान नहीं है और
न सिनोद Contribution दे सकती है।
North Zone Area में हो सकता है पर
सम्बन्ध न होने से कह नहीं सकते हैं।

आप का विश्वास,

Rev. Mr. Bage
Gumla.

31/3

92
29/3
**GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN
CHURCH TAKARMA**

File (10)

President—Rev J. KIRO
Secretary—Mr. P. S. BARJO
Treasurer—Mr S. TOPNO

P. O. LASSIA,
RANCHI

Ref. No. 596/60,

Date 24-3-1960

To,
The Head Supervisor,
Lutheran Schools Ranchi

मान्यवर महोदय,

मुझे आप की चिट्ठी नं० 88-97/60-MS-10
dated the 16th March 1960 को मिली, जिसमें बताया कि 2 रुए का
सिग्नल तो यह स्वीकृति दे चुके हैं कि सिग्नल के नीचे 30 रुए का
मिशन हाईमरी स्कूल (A. R. M. S.) है वहाँ के हर एक शिक्षकों
को शिक्षकों को का P. S. के लिए रुपये में रुए का का 30 रुए
Basic Salary पर छुट्टी माह दिया जाये। यह सूचना सब-इन्स्पेक्टर
को स्कूल को भी दी जाये गयी है। आप को भी सूचना द्वारा
अप्रैल 1960 से खोज दिया जायगा।

आप का विश्वास

J. Kiro,
Synod President
Takarma Synod,

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH
DEPARTMENT OF PRIMARY EDUCATION,
Head Supervisor Lutheran Schools,
MR.N.E.HORO.

G.E.L.Church,Ranchi.

No. 96 /60-HS-10.

The 19th March,1960.

To,

The Synod Presidents,
Northern,Western,Khuntitoli,Korenjo,Kinkel,
Takarma, Burju and Govindpur.

Kindly send me a copy of your Synod budget for 1960 showing the items of the Schools(Primary,Middle and Secondary). This is extremely needed for my office as I have to send some relative informations to the Government.

Also send me a statement showing how much your synod spent for different schools in 1960. Treat it very urgent.

W. S. S. 19/3/60
Head Supervisor,
Lutheran Schools,Ranchi.

ofc.

No. 95 /60-HS-10.

Dated, the 19th March, 60.

To,

The Superintendent
Government Printing
Gulzarbagh, P A T N A .

Sir,

Kindly send me two copies of the Blue Book
containing the letters and circulars (1954-57) of the
Bihar Education Department per V.P.P. and oblige.

Yours sincerely,

W. H. H. 19/3/60
(N.E. HORO)

Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

177
18/3

10

To, The Secretary G.E.L. Church Ranchi.

Through the Synod President Govindpur Synod.

Sir,

I most humbly beg to inform you that resolution No 37/60 of the full Church Council meeting held at Ranchi from 12-16 January 60. I joined in from Dariguta Parish Burjia Synod to Jurdag Parish of Govind Synod from 16-2-60. So I am giving ~~report~~ joining report to you.

Yours faithfully
Rev. M. Aind. Jurdag
16-2-60.

उपरोक्त लिखित मोताबिक
Rev. M. Aind जुरदाग से
नम्रपना काम शुरू किया है
H. T. J. J.
President
Govindpur Synod
9-3-60

82
17/3

17/3/60

30/60

10

G. E. L. CHURCH

HAZARIBAGH, SYNOD

Est. 1853.

SINGHANI

P. O. Hazaribagh

President:—Rev. N. Bhuinya.

Secretary:—Mr. J. Barwa.

Treasurer:—Prof. P. C. Horo, M A.

Dated 15th March 1960

To,
The Secretary,
G. E. L. Church Council,
Ranchi.

आप से आज चर्च मींसिल से लुभसि तला राय के
लिए यह पत्र आप को लिखता हूँ।

बिना विभाग के लक्ष्यों का कहना है कि स्कूल
के जगह तबका कमडाउ को रजिस्ट्री होने चाहिये
तब स्कूल प्रकाश बनने के लिए बिना विभाग से
होना चाहिए।

कृपया करें कबिलान्त जगह से कि इसकी
रजिस्ट्री होने चाहिये या नहीं।

अन्यथा 98 नं० से बिना विभाग स्कूल प्रकाश प्रकृति (फा)
बनना होगा।

इसके प्रति धन्यवाद।

Yours faithfully
Rev. N. Bhuinya
15/3/60
G. E. L. Church Singhani
Hazaribagh.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

Urgent

Department of Primary Education
Head Supervisor Lutheran Schools,
MR. N.E. HORO.

G.E.L. CHURCH, RANCHI.

No. 88-97/60-HS-10.

The 16th MAR. 1960.

To,

All Synod Presidents
of Ranchi District.

You are earnestly requested to see that Provident Fund of teachers in each of the Primary (L.P. & U.P.) Schools of your area are opened with effect from 1.4.1960.

The Managing Committees will have to pay at the rate of one ANNA in a Rupee on the basic salary only of the teachers. The teachers have to pay one ANNA in a Rupee on their Basic, Enhanced and Increased Salary. The Government will pay one ANNA in a Rupee on the Enhanced and Increased salary of the teachers. Please ask all the Managing Committees to open the P.F. A/Cs immediately. Your Synod and Illakas should take up this responsibility.

Please report by the end of March 1960 as to what steps you have taken in this matter so far.

Treat it extremely urgent.

W. S. 16/3/60
Head Supervisor,
Lutheran Schools,
R A N C H I .

आप से अनुरोध है कि
आप १२ बजे तक मे
अवकाश उभाले पहिले
ही पहुंच जाइये।

आपको विदित
Rev. C. H. Singh
2/3/60

पोस्ट कार्ड

साथ का कार्ड जवाब के लिए

केवल पता
2 MAR.
1960



To,

The Head Supervisor,
Lutheran Schools.

S. E. L. Church Compound

Raneti

Bihar.

From 61/3/60 File No 10
Regional President

W.S. 3/3/60 S.E.L. Church
Rahardaga.

Dated the 2nd March 60

To,
The H.O. Supervisor
Leith. Schools Ranali.

महोदय,

आप की चिट्ठी नं० 58/60-

HS-10 dated 26th Feb. 1960 के

अनुसार मैं ने शिक्षकों की
मिटिंग का वन्दोवस्त किया है।
सभी स्कूलों के हेडमास्टरों के पास
रूचना लिये दिया है। सभी शिक्षक
और सेक्रेटारियों को आने का
अनुरोध किया गया है।

समय - ला. ६-३-६० को १ बजे
से आरम्भ होगा।

इलाका मिटिंग नहीं होने लकेगा
तो माफ करेंगे।

2

54
27/2

110

The Head Supervisor schools,
Ranchi.

महाशय;

मैंने सुना है कि ग्राह-इन-एड का रुपैया १६४८-१६५२ तक का मिलने वाला है। मैंने सन्तोष केरकेटा के इतिहा के पश्चात् २८-४-५० से १६५३ ई० के जून महीने तक उसकी जगह पर काम किया। मतः आप से निवेदन है कि उपर्युक्त रुपैया मुझे भी मिलने की व्यवस्था करें।

इस सुकार्य के लिए सदा आपका धन्यवादी बना रहूंगा।

ता० १६-२-६० ई०।

{	आपका आज्ञाकारी सेवक -
	Johan Horo
{	लुधेरान आपर स्कूल, तपकारा।

नोट:- खसम के विगड़ जाने के कारण इतिहा दिया है।

मेरा पत्ता:- Johan Horo;
Tapkara Pitay Toli,
P.O. Barde.
Ranchi.

True copy

To

The Sub-Inspector of schools, Khunti South.

From

The Hi Pandit Lutheran U.P. school,
Tapkara
17.6.61.

महाशय;

सन्तोष केरकेटा के इस्तिफा के पश्चात् 12-8-50 से बाबू जोहन होरो एम. ई. टी. उसकी जगह बहाल हो गये हैं। अतः आप से निवेदन है कि सन्तोष केरकेटा का जो स्टैपेन्ड तथा महँगी भत्ता थी, सो जोहन होरो को मिलने की व्यवस्था करें।

आपका आज्ञाकारी सेवक—

S. D. P. Guria

Lutheran upper school, Tapkara.

ता. 16-2-59 को यही कापी डिप्टी इन्सपेक्टर को दिया गया।

S. D. P. Guria

Lutheran U.P. school,

Tapkara.

No. 58 /60-HS-10.

Dated, the 26th Febr. 1960.

To,

Rev. C.H. Tirkey,
Synod President,
G.E.L. Church, Lohardaga,

Subject:- Opening of Provident Fund Account
of Primary School Teachers.

S i r,

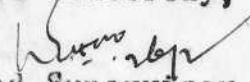
According to D.S.E's letter No.257 dt.29.1.60 the Sub-Inspector of Schools Sessai Circle, in his letter No.29 dt.22.2.60, has insisted for opening of Provident Fund Account of teachers of G.E.L. Primary Schools. You are therefore requested kindly to convene a meeting of your Primary School teachers and Secretaries of your Synod on any day between 8th to 12th March 1960 and let me know by return of post. It would be good if you could arrange ~~xx~~ it during your Ilaka meeting of your Synod but should be between 8th-12th March.

All the teachers and Secretaries of Schools must be present in the meeting. Treat it very urgent.

Name of Schools,

Yours sincerely,

1. Lohardaga Girls' U.P. School.
2. Ranikhatanga.
3. Serenghatu.
4. Arangi.
5. Jalka.
6. Kumbatoli and
7. Kocha.


Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

Encl:- 1.

No. 61 /60-HS-10.

Dated, the 26th Febr. 1960.

To,

The Headmaster,
Teachers' Training School,
Gumla.

Subject:- Certificate of Sri Christ Kalyan Surin.

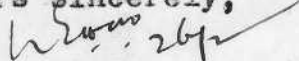
Sir,

I have to state that one of my teachers named Sri Christ Kalyan Surin underwent a course of training in your school in 1947. His training certificate which had kept in a wooden box were all destroyed by white ants sum years ago.

I am requesting you on his behalf to kindly grant him either a duplicate certificate or a certificate stating that he was in the training school and had passed the annual examination in 1947. His date of birth according to the admission register is 2.1.1926.

Kindly send me the certificate wanted and oblige.

Yours sincerely,



Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

Gopalpur Prop. Middle School
Account

File-18

United Bank of India Ranchi Branch
Ranchi

C. Account No. 1741

Deposited on 28-10-59.

Rs 500/-

(49)
20/2

HO 5/60

File 10

To,

The Head Supervisor

Lukhian school, Ranchi

18-2-60

Sir,

This to inform you that Miss Lila Wati Devi of Kuchera is going for interview for the Post vacated by Miss Philda Poon.

Further I beg to inform you that there is dispute about the position of the mistress in the school. Sometimes ~~the~~ Sub-Inspector of schools remarked in his visit that Manmarch Bage trained her in the third position and mistress being untrained he in fourth position. Head master & Manmarch Bage acted according to the Remark of S.T.C. But village people are ~~now~~ angry. They say that third position is for the mistress and that should continue. For that there is division in the church also. They are worshipping separately. Next ^{Sunday} we are going to Tachi for the same purpose.

Please inquire the situation for the
mistress Lilawati Sumin in detail.

Yours faithfully,

W. S. B. 40

W. S. B. 42
Superior

Tamrasay

મિલેન - આપના માર્ગિક-૧/

મિલેન - આપના

૫૦ - ગ્રામસીદ યુવા

५१०. ५१० ८५१.५ - जिमा-रिजि)
 १११. १११ - २ - ६०

45
25/2

74-10

श्रीमान बाबू साहब हेड सुपरवैजर, प्रोफिस
रांची ।

महोदय,

मैं काम के भीड़ के कारण रांची नहीं आने
सकी और मेरी बहूजी भी ई. ज़ाई. पी. स्कूल में
हो गयी है। मुझे इस समय सार्टिफिकेट की वही
जरूरी हो गयी है। इसलिये मैं आपने बहूजी
को भेज रही हूँ, उन्हीं के हाथ मेरी सार्टिफिकेट
भेजने की कृपा करेंगे।

Jaimasih Hoo

Alandi - vill.

Khumbi - P.O.
Ranchi - Dist.

मैं सजोमी हस्सा का सार्टिफिकेट पाया।
जमनासिंह ठोरे
गांव - सजोमी
/ 22 फरवरी 1940

आप का बिस्वस्त
सजोमी हस्सा
अम्बुलबहा
ता 29-2-40.

12/11/50

File No 10

श्रीमान्

डेड सुपर वाइजर लुथेरान स्कूल्स राँची ।

महाशय,

श्रीमान् की चिह्नी न० ५ नोवेम्बर, दिसम्बर १९५८ के आदेशानुसार जोन्हाटोली यु० पी० स्कूल को ब्लोक ग्रांट १९५५ के फरवरी तक २५ रु० मासिक के दर से मिला, लेकिन १९५६ के मार्च से अब तक २२ रु० मासिक के दर से मिलता है। जिसके कारण से ३ रु० मासिक क्षति होती है।

श्रीमान् से अर्ज है कि क्षतिपूर्ति करने की असीम कृपा करेंगे।

१९५५ का मासिक दर

१९५६ का मासिक दर

प्रधान शिक्षक ई.टी.६ रु० ४ आ० ।
द्वितीय "जे.बी.टी.६ रु० ४ आ० ।
तृतीय "जे.बी.टी.६ रु० ४ आ० ।
चतुर्थ "जे.बी.टी.६ रु० ४ आ० ।
२५ रुपये ।

प्रधान शिक्षक ई.टी.६ रु० ।
द्वितीय "जे.बी.टी.६ " ।
तृतीय "जे.बी.टी.६ " ।
चतुर्थ "जे.बी.टी.६ " ।
२२ रुपये ।

श्रीमान् के अधीनस्तः—

विष्णु कल्याण दाग

प्रधान शिक्षक

यु० पी० स्कूल जोन्हाटोली

पो० मो० बरसलोया सर्कल कोलेबिरा
जिला राँची उत्तरा अंचल
भाना कोलेबिरा
दि० १० ६०

श्रीमान-डेडुपर-वेजर लुचेरान

स्कूल सॉरी

जी. डी. रज चार्ज सॉरी

महाशय,

आप को सीनो खुलावा

मालूम होवे- कि हमारे स्कूल से

पंचगंगा आप से मिलने जा रहे

हैं, चूंकि ~~आ~~ साहब दिनेश चार्ज होगया

हैं- ममान-वाकत-में। माने इतना फैला

साफ काफे इतलो-गीं को मेजिगा-

को नही तो हमारे अरु आर आपके

वीच में आकाश-पताल ही जंजर होगी॥

आप का विश्वास

B. D. H. D.
Cumbulbaker
C.P.S.

18-2-60

$$\begin{array}{r}
 995 \\
 1064.65 \\
 500.00 \\
 \hline
 564.65
 \end{array}$$

005
500

24

85

हस्ताक्षर १४/५/२०२०

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH
DEPARTMENT OF PRIMARY EDUCATION

Head Supervisor Lutheran Schools

Mr. N. E. HORO.

G. E. L. CHURCH, RANCHI.
the 12 th February ' 60.

No 32/ 60 H S 10.

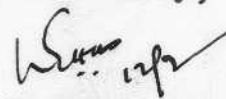
To,
Sri.P.S.Barjo.
Eidnaes High Schohl,
Takarma, P.O.Lasia.
Dist, Ranchi.

Dear Mr.Barjo,

I am herewith returning two bills in original. Kindly get it corrected accordingly and return the same at an early date. Also see that the teachers have maintain-their books according as they have submitted the copies. *ed*

Thanks,

Yours sincerely,


Head Supervisor Lutheran
Schools, Ranchi.

File - 10

17/11/59

मान्यवर हेड सुपरवैजर लुथेरान स्कूल्स रांची।

महाशय

सेवा में सविनय प्रार्थना है कि मैं जी० ई० एल० यू० पी० स्कूल पक्करा में काम कर रहा हूँ। किन्तु वर्ष गुजर गये मुझे सरकार से वेतन नहीं। आधार वेतन भी नहीं है तथा कमिटी की ओर से भी नहीं है। मैं एक गरीब और आनाथ शिक्षिका हूँ मेरा घर भी दूर है, मेरी सहायता करने के लिये वर्तमान कोई नहीं है। थोड़े दिनों से मेरी तबीयत भी ठीक नहीं है। आर्थिक समस्या के आभाव से मेरी बीमारी प्रतिदिन बढ़ती जा रही है और शारीरिक दुर्बलता भी बढ़ती जा रही है। पैसे की कमी से मैं इलाज करने से लाचार हूँ। मैं ने कमिटी को स्कूल के काम से छुड़ी माँगी किन्तु उसने छुड़ी देने से इन्कार कर दिया और कहा कि किसी तरह दिसम्बर तक काम चलाइये। मैं ने उनका कहना भी मान लिया।

फिर दूसरी बड़ी समस्या उसी सिलसिले में हुई जो मेरे विरुद्ध में की कुछ मंडली पंचों के जरिये हुई। मंडली के मंडली सेक्रेटरी जैमसोह सुरिन और पंच कुशलमय सुरिन ने मेरे ऊपर भूठी साजिश देकर मुझसे जबरजस्त सही ले ली। मैं ने सही लेने का कारनामा पूछा किन्तु उन्होंने कहा कि इसका मतलब बाद में आप को बतलाया जायगा आप को किसी प्रकार की हानि नहीं हो सकती है। और एक शर्त पर कि हमलोग मंडली पंच के हेरियत से प्रभु के पास है हमारी बातों पर विश्वास कीजियेगा। आप की हानि नहीं करेंगे। अगर हानि हो तो बाद में इसका कैंफियत हमसे लीजियेगा। किन्तु बाद में उन्होंने इस बात पर छुड़ी सजा की घोषणा की और अब मुझे छुड़ी सजा पर रखा गया है, काम भी बन्द है, और खाने को भी नहीं मिलता है। मैं इतनी बेइज्जती कैसे सह सकती हूँ। मैं कठपुतली नहीं हूँ कि जो जैसा चाहे वैसा ही करे। अतः मैं और मेरी जिन्दगी बर्बाद करे। अतः मैं १-११-५९ से स्कूल का काम बन्द कर रहा हूँ।

अतः महाशय से विनय है कि कृपाया, मेरा वेतन-पुका देने की कड़ी मेहरबानी करेंगे। मैं आप के इस महा-उपकार के लिये अजीबान आभारिणी रहूँगी।

आप की शिक्षिका—

सलोमी दीरी।
 { जी० ई० एल० यू० पी० स्कूल-
 पक्करा।
 जी० आ० मर्चा। रांची।

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH TAKARMA

President—Rev J. KIRO
Secretary—Mr. P. S. BARJO
Treasurer—Mr S. TOPNO

P. O. LASSIA,
RANCHI

Ref. No. 507/59

File 10

Date 15/9/59

To

The Head Supervisor,
Lutheran Schools Ranchi

मान्यवर महोदय - मुझे आपकी चिट्ठी नं० १२४/५६ दिनांक
२-६-५६ जी-१४-६-५६ का मिली है। मैं बिना कागजातों
बिना तुरत नहीं जा सकता हूँ और १२-६-५६ तक मैं आप
का कोमिसे में बिना पहुँचता भी नहीं करता है। कितने -
कागजात स्कूलों में है और कितने नहीं। मैं मि० B. Swain
को मजबूत हूँ जो अच्छी तरह बातों का समझकर लौटेंगे।
मैं आप को हिदायत आज ही टीचरों को देने के लिए -
मिल रहा हूँ। उम्मीद है कि आप वेना है सब जगह करके
२१-६-५६ को खोजी-पहुँचने का पद करेंगे।

आप का विश्वास-रत

J. Kiro
By, President

file - 10

महामान्यवर,

डायरेक्टर साहब, -

लुथेरान चार्च राँची।

औ -

हैड सुपरमैजर साहब ऑफ

लुथेरान स्कूलस - राँची।

महोदय,

सबिनय प्रार्थना ऐसी है कि इस वर्तमान समय में नया मिशन क्षेत्र तथा मिशन स्कूल खोलने का क्या अधिकार है। हमारे चिद्दी मन्सली के नजदीक मलदोन नाम एक गाँव है। यहाँ और आस पास के गाँवों में बिलकुल संसार जहाँ भाइयों हैं। वे बिलकुल अनपढ़ हैं। वे स्कूल चाहते हैं।

यहाँ पर सरकार की ओर से ई० ए० पी० स्कूल के लिये सरमें किया गया है। अभी तक स्कूल तो नहीं है। क्या हम लोग ऐसे जगहों में मिशन स्कूल तथा मिशन क्षेत्र खोल कर बचन प्रचार कर सकते हैं? ^{आवका नहीं।} इस में आप लोगों का क्या राय है। अगर हम लोग स्कूल खोलने सके तो आप इसका पूरा ध्यान जल्द मिलाने में लीजिये। इसमें इलाका तथा आप लोगों से कौन सा सहयोग ^{और सहयोग} हो सकता है।

यहाँ पर निकट भविष्य में बहुत जल्द ख्रिस्तान होने की आशा हो रहा है। अगर सी० मिशन भी इस जगह को कब्जा में लाने की कोशिश में है।

कृपाया आप इसका प्रतिउत्तर जल्द दें जिसे जनवरी १९६० से काम शुरू हो जाय।

दूसरी बात - काटसेमला का मिशन क्षेत्र का माकभुजारी कधबट्टेदारी के नाम से बन्धा जा रहा है इसका क्या प्रबन्ध किया जायगा। आप लोग इसका चिन्ता करें।

आप का विश्वासी

प्रचारक

C. Kalyan Hemran.

Chiddi

20-11-59

File No - 10

श्रीमान हेड सुपर वीजर साहब लुधेराना स्कूल
रांची के निकट निवेदन
1102 ई-10-22

महोदय

निवेदन ऐसी है कि आप के
अदेशानुसार विला अक्टोबर मार्टिना का
एस. ई. एस. जल कोट को तिथि 29-10-22
को दिया ओ उस भी खट्टी नकल आप
को दे रहा हूँ।

आप का विश्वास
स्वस्त कल्याण मित्र
प्रधानाध्यापक जी. ई. एस. ल.
श्री जी. स्कूल लुधेराना
जी. ई. एस. जल कोट
जिला रांची

जिला शिक्षा अधीक्षक, राँची

स्कूल संख्या

(१) स्कूल यू.पी. स्कूल पेटसैरा

(२) ग्राम का नाम पेटसैरा

(३) पोस्ट ऑफिस का नाम पालकोट

(४) थाना का नाम पालकोट

किस तरह का स्कूल है जी.ई.ए. स्कूल मिशन
प्रबन्धित या अनुदान प्राप्त

प्रा० या मि० स्कूल के कर्मचारियों का अक्टोबर १९६६ का वेतन बिल

क्षेत्र का नाम पालकोट

धनादेश सं०

भाउचर सं०

दिनांक

शिक्षक संख्या	शिक्षकों का नाम	योग्यता	इस माह का वेतन		महंगाई का भत्ता		प्रधानाध्यापक का भत्ता	रुपया	भावी प्रसङ्ग निधि की कटौती		योगदान		भावी प्रसंग निधि की कटौती अगर कोई है	कुल रकम ६ से १३ तक का योग	मिलने वाली रकम (Net amount payable)	भावी पुस्तिका संख्या	वेतन पाने वाले का हस्ताक्षर बीस रु० से अधिक होने पर रसीदी टिकट के साथ	स्थानान्तर नियुक्ति तथा अनुपस्थिति तथा स्वीकृत अवकाश का विवरण और आध्य निर्देशन
			मूल	वृद्धि	बोर्ड	सरकारी			मूल वेतन पर	वृद्धि पर	बोर्ड	सरकारी						
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	
१	खिस्तकल्याण मिश्र	एम.ई. ई.टी.		२६		१५	१	४५						४५		खिस्तकल्याण मिश्र		
	फुटकर खर्च..			२६		१५	१	४५						४५				
	कुल जोड़																	
	मनीआर्डर कमीशन																	
	कुल जोड़...																	

देयक संख्या

तिथि

रुपया

चुका दें।

प्रतिहस्ताक्षरित

रु० के

लिये किया गया।

रुपया

भावी निधि कोष में चुका दें।

उप-अवर विद्यालय निरीक्षक

प्रधानाध्यापक शिक्षण विद्यालय

क्षेत्र

दे० लि०

आंकिक

शिक्षा अधीक्षक

मंत्री

प्रधानाध्यापक का हस्ताक्षर

तिथि

प्रतिहस्ताक्षरित।

उप-अवर विद्यालय निरीक्षक क्षेत्र

बागला प्रेस, राँची-५६

प्रमाणित किया जाता है कि इस स्कूल के शिक्षकों का वेतन माह अक्टोबर तक मिल चुका है। और उसके वितरण का लेखा हस्ताक्षर के साथ भेज दिया गया है।

खिस्तकल्याण मिश्र

२६-१०-६६

Abstract Register Form D.

१९६५

की गैरहाजिरी व्यौरा

नाम तथा पद	वेतन दर	प्रकार	छुट्टी का व्यौरा			छुट्टी का भत्ता		स्थानापन्न कार्यकर्ता का नाम	अपना वेतन	स्थानापन्न भत्ता		गैरहाजिरी का खर्च		मन्तव्य
			अवधि	कब से	कब तक	दर	जोड़			दर	रकम	दर ७+११	जोड़ ७+१२	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५

माध्यमिक/प्राथमिक विद्यालय जोड़ू एल. यू. पी. मेमोरियल जिला रांची मासिक विवरण मास अक्टूबर १९६५

क्रमांक	वर्ग और वर्गानुविभाग छात्रों की संख्या के सहित	मुसलमान	पिछड़ी जाति	आदिवासी	हरिजननों की संख्या	छात्राओं की संख्या	कुल छात्रों की संख्या	नामावली क्रमांक				पूर्ण शुल्क देने वाले छात्रों की संख्या	माध्य दैनिक उपस्थिति	शुल्क अर्थ	वर्तमान मास का शुल्क आय	विद्यालय परित्याग किये हुए छात्रों के अप्राप्त शुल्क	प्रवेश शुल्क	अर्थ दण्ड	गत मास के अप्राप्त शुल्क योग	वर्तमान मास के प्राप्त शुल्क	छात्रों की संख्या जिनके नाम शुल्क नहीं देने के कारण पंजी से हटा दिये गये	अप्राप्त शुल्क	वर्तमान मास का अप्राप्त शुल्क जो आगामी मास में लिखा जायगा	मास में भर्ती किये गये छात्रों की संख्या	मास के अन्तिम दिन की संख्या	अभ्युक्ति
								पूर्ण निःशुल्क छात्रों की संख्या	अर्द्ध निःशुल्क छात्रों की संख्या	चौकीदारी मुक्त छात्रों की संख्या	शुल्क अर्द्ध															
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७
	२०-१०		३	१		३	१						१०												३१	
	४२-१०		१	२		४	६						१०													
	३१-११			१		५	६						११													
	२१-१६		१	१२		२	११						१६													
	१०-२१		३	२०		१२	२						१२													
	३१		६	६२		३२	३२						६२													

इस मास के स्कूल फण्ड की वसूली रकम

मनीआर्डर से ता०

पो रसीद न०

से शिक्षा अधीक्षक के पास भेज दिया गया है।

इस मास के स्कूलर फण्ड की वसूली रकम

स्कूल पास बुक न०

में तिथि

को जमा कर दिया गया है जिसमें कुल मिला कर रु० हो गये।

नोट :—वेतन पाने की रसीद पर मनीआर्डर कूपन पर लिखे अनुसार भाउचर न० और तिथि अवश्य लिखा करें।

वर्द्धित रकम के लिये आवश्यक सर्टिफिकेट बिल के साथ अलग चाहिये।

प्राथमिक पाठशालाओं के शिक्षक उतने ही कालम भरें जितना उनके लिये आवश्यक है

मंत्री/प्रधानाध्यापक

प्राथमिक/माध्यमिक विद्यालय

Monthly Abstract Account Form D. 1.

G. B. L. U. P. School Patsera, District Ranchi

for the month of October 1959.

Receipt

	R	A	P	R	A	P
Received from Church fund during the month	11	-	-	11	-	-
Advance from Secretary during the month	4	-	-	4	-	-
Total	15	-	-	15	-	-

Disbursement

	I- Monthly charges specified in the grant	II- Charges falling due in the month	III- Amount actually paid during the month
Christ Kalyan Ming Headmaster	15 - -	15 - -	15 - -
Total	15 - -	15 - -	15 - -

Dated
The 29-10-59

Ch Kalyan Ming
Headmaster

Junaskhakra
Secretary

Abstract Register of Attendance Form D.2.

G. E. L. U. P. School Petsera.

District Ranchi.

for the month of October 1959

Class	Number of the roll	Average No. Present daily during the month
IV	10	10
III	10	10
II	11	11
I	19	19
Total	21	18
	71	68

Hindus 6

Mohammedans x

Others - 65

Percentage Attendance during the month 95

Number of Working days in the month 18

Secretary

Junas Khakha

Form C.

स्कूल का नाम- जी० ई० एल० यू० पी० स्कूल पेटसेरा, थाना-पालकोट,
डाकघर-पालकोट, सर्कल-पालकोट, जिला रांची।

Bill for Grant in Aid

रांची जिले के शिक्षा विभाग सुपरिन्टेन्डेंट

महिने में बीड से सहायता

क० आ० पा०

१ महीना का
१ली अक्टूबर १९५८ ई० से ३१ अक्टूबर १९५८ ई० तक
४०० महवारी दर से

श्री स्वस्त कल्याण मिज - - - - - ४ - -
जी० ई० एल० यू० पी० स्कूल पेटसेरा,
डाकघर-पालकोट, जिला-रांची

जमा ४ - -

इस बिल का रुपैया ४०० चार
ता० २८-१०-५८ ई०

प्रधानाध्यापक
स्वस्त कल्याण मिज
जी० ई० एल० यू० पी० स्कूल
पेटसेरा
२८-१०-५८

Sub No-10

श्रीमान,

हेड कुपरवेयर-लुथेन स्मल-रॉची ।

महाराज,

आप को ज्ञात किया जाता है कि
श्रीक ग्रांट सिर्फ १-६५२-५३ तक का १२०/- एक सौ आसी
रुपये टकरा पायी हस्तोप सुविधि दिये हैं।

१-६५३ से वर्तमान तक ग्रांट इन-एड
जो टापी कुकुटा प्र. पी. स्कूल के लिये माहगारी २५/-
है। कोई वर्र नहीं मिली है। बिल वाप दिये जा रहे
हैं।

अतः आप से निवेदन है कि हम दीन
सेवकों की दुःख तकलीफ दूर करने की प्रयत्न कीजिये।
हम सदा धन्यवादी बनें।

आप के दिवाकर

मोहन सुनि.
टारी कुकुटा प्र. पी.
२५-६-५२।

File No - 10

श्रीमान,

हेड सुपर वाइजर जुबेरान स्कूल रांची ।

महोदय ।

आपकी चिट्ठी नं० ३२४/५८, तिथि ८-८-५८

की, तारीख २१-८-५८ की मिली जिसके कारण से
वकाया रकमों का बिल भेजने में देर हो गई है ।
अतः प्रार्थना है कि माफ करें

श्रीमान के बिश्वास सेवकें-

- १, जोहन तोपनो पिम्पी एल०पी० स्कूल ।
- २, जुएल कुलुल ललंगा प्र०पी० स्कूल
- ३, प्रमुदयाक तोपनो ए०पी० बिश्नामपुर
- ४, लौबिजितियस कोनगाड़ी एल०पी० उडीकेल
- ५, दाऊद कोनगाड़ी एल०पी० स्कूल उम्मा
- ६, सम्मुरल कोनगाड़ी एल०पी० स्कूल -
मेरोमबीर
- ७, पतरस तोपनो एल०पी० स्कूल
- ८ निर्मल सुरि एल०पी० स्कूल
बोंगदा १२-८-५८
पिम्पी २२-८-५८

10/11/57

23-10

श्रीमान,

हेड सुपर मईजर लूथेरान स्कूलस. रांची।

महाशय,

निम्नलिखित वकाया बेलन १८५८

जुलाई का ओ रिपेसमेन्ट १८५८ के जून
और जुलाई का बिल भेजा जाता है जो मसौ
तक हम लोगों को नहीं मिला है।

अतः हुजूर से मर्ज है कि ये अंकित
रकम सरकार से दिलाने की महान कृपा करें।

प्रधान शिक्षक:- खिस्त कल्याण बाग

यू.पी. स्कूल जोन्हाटेली

पो.ओ. बसलोया जिला - रांची।

३०.१०.५८

वास्तविक कल्याण वेतन ।

रांची जिला शिक्षा अधिकारी अधीनस्थ स्कूलों का विल ।

बरसलोया पो. जोन्हाटोली यू.पी. स्कूल शिक्षकों का वेतन विल माह जुलाई १९६८ ।

	शिक्षक का नाम	योग्यता	वेतन दर	वेतन क्रम				मंलग्नी	भत्ता	कटौती						फूट कर स्वतंत्र	जमा	ग्रान्डीडर खर्च	नकिसत
				आधार ३१.३.६८	शुद्धि १-६-६८	संशोधित १-६-६८	वृद्धि संशोधित १-६-६८			प्र. क्र. भत्ता	प्र. क्र. भत्ता वोट	गैर सरकारी		प्रो. व. सरकारी					
												आधार वेतन	अन्य	आधार पेंशन	अन्य				
१	विस्तार कल्याण कागे	ई.टी.		१५/	१५/	५/	२+३/	१५/	२/								४५/		
२	विस्तार कागे	जे. की. २१		१५/	५/	५/	५+१/	१५/									३१/		
३	कलेप कागे	जे. की. २१		१५/	५/	५/	५+२/	१५/									३२/		
४	जयमसी हसुरीन	जे. की. २१		१५/	५/	५/	५+१/	१५/									३१/		
				६०/	३०/	२०/	२०+६/	६०/	२/								१३५/		

प्रधानाध्यापक :- विस्तार कल्याण कागे
 यू. पी. स्कूल जोन्हाटोली
 पो. मो. बरसलोया
 जिला - रांची
 ३०-१०-६८

वास्ते वकाया रिप्लसमेंट ।

राँची जिला शिक्षा अधिक्षक अधीनस्त स्कूलों का विल ।

वरसलोया पो. जे. हाटोली यू. पी. स्कूल शिक्षकों का वेतन विल माह जुलाई १९५६ ।

	शिक्षक का नाम	योग्यता	वेतन पर	वेतन रुम			मंजूरी		भत्ता		करौती				फूट कर रुम	जमा	मानिफाईर खर्च	कैफियत
				आधार १-४-५६	वृद्धि १-४-५६	रिप्लसमेंट १-४-५६	प्रस्तावित १-४-५६	पोस्ट	प्र. क. भत्ता	प्र. क. भत्ता वाई	गैर टाऊनी आधार वेतन	गैर टाऊनी अन्य	प्रो. क. करौती आधार पर	प्रो. क. करौती अन्य				
१	खिलोफर बागे	जे. बी. २१			१०/											१०/		
२	कलेप बागे	जे. बी. २१			१०/											१०/		
३	अथमसहि सुरीन	जे. बी. २१			१०/											१०/		
					३०/											३०		

प्रधानाध्यापक :- निरुस्त कल्याण बागे
 यू. पी. स्कूल जे. हाटोली
 पो. मो. वरसलोया
 जिला. राँची
 ३०. १०-५८

महा मान्यवर हेड सुपर मेजर लूथेरान स्कूल स
रांची-1

महोदय,

आप को मालूम होवे कि -

जिल्लिंग केला लो० प्राइमरी स्कूल मे
लोअपर इमतिहान देने वाले -
२ लड़के और २ लड़कियां है
जमा ४ है।

आप का विश्वास काइकारी
शिदक -

प्रसन्न मुन्डू

ता 22.10-26

To

The Head —
Super visor
Lutheran Schools
Ranchi

(जोहन पुर्तगी, (शिदाक्क)
लूथेरान स्कुल पी० स्कुल,
उलीहाउ ।



श्रीमान
हेड सुपरवैजर लूथेरान
स्कुल राँची ।
राँची ।

File - 10

12.5.11/59

जी० ई० ल० सल० पी
स्कूल उलीहाउ,
ला० २-११-५ ई०

जी० ई० ल० सल० पी० स्कूल उलीहाउ।

माह दिसम्बर १९५९ ई० के परिदार्शी छात्रों का
विवरण।

I	वर्ग -	१६,
II	"	१०
III	"	८
		३४

इसलिए मैं योता पूर्वक मज
करता हूँ जल्द से पैसे भेज दे
ताकि आप अपने काम में जा
सके।

आप का विश्वास
Rev. J. Lakshmi
6.10.59



To

The Secretary

N. E. Hono

G. E. L. Church

Ranchi

महोदय से के है

N. D. Hono

10

E. E. L. Church

Bartoli

6.10.59

411

19/10/59

E. E. L. Church Rauchi.

आप को जनाया जाता है कि मैं Transfer order में कोई तरह से रोक टोक नहीं है मैं जाने को तैयार हूँ पर बात यह है जिसको मैं आप को बता चुका हूँ और खजांची को भी बताया है। कुछ जबाब नहीं आया। मैं अति दैन लाचर हो कर बैठे हूँ। आप मेरा पूरा जानकारी है कि किस तरह से बीतरहा है। आपल से वेतन नहीं भेजा गया है, हाथ में पैसा नहीं है कस क्या ? फिर गाड़ी बन्द है। गाड़ी के खुलने पर जाऊंगा। इन कार्रों से इला सोकीवार ओ पडुंच नहीं हो सका।

Jfe

ओफिस आफ दी हेड सुपरवाइजर लूथेरान स्कूल राबि.

तिथि ८.६.५६.

ना० १२४/५६.

प्रेमिष

सिनड प्रेसिडेन्ट

विषय..... यू.पी. बोर्ड स्त. पी स्कूलों का वेतन बकाया १९४६-५० से १९५२-५३ का मुताबान .

महोदय.

आप को ज्ञात किया जाता है कि अपर लोक निर्देशक बिहार ने पत्रांक ६०.सी ०३३.५६ दिनांक ४४६९ दिनांक २२ अगस्त १९५६ में सभी बकाया वेतन १९४६-५० से १९५२-५३ तक का मुताबान ३०.६.५६ के मातल मुक्ती कर देने का फैसला किया है.

अतः आप से निवेदन है कि आप अपने सिनड के हर एक स्कूल के प्रधानाध्यपक तथा मैत्री को वेतन मुताबान वही. रोकड वही. प्रस्तावना वही. मैनेजिंग कमिटी मिनट वही और मैत्रियों द्वारा मुताबान दिया गया रसीद १९४८-४९ से १९५२-५३ तक का लेकर आपके और साथ में उन बकाया रकम का दो दो विल बना कर ताब को भी ओफिस में भेजें .

आर सिनड के कवने से शिक्षकों के वेतन में कर्ष किया गया है कि जिस की सरकार से मुताबान पाना है ऐसे रकमों का दाबी भी उसी दिन सहरी प्रभाव के साथ करें. इस तिथि के बाद उन दिनों का वेतन का दाबी नहीं सुनी जायगी .

आप का विश्वास

W. 8/1
हेड सुपरवाइजर लूथेरान स्कूल राबि

JF

No. 116 /59-HS-10.

Dated, the 22nd Aug.'59.

Mr. Mansukh Horo,
Headmaster, Gopalpur Prop.M.E.School
P.O.Mahugaon, Dist. - R A N C H I.

Dear Mr. Horo,

Inviting your attention to my letter No.26/59 dated 20th March, 1959 I have to say that you have not yet paid up the cost of books which I arranged for your school Library on credit from Messrs Pustak Bhawan, Ranchi.

It is needless to say that you have not only put me in an awkward and embarrassing situation but have lowered my estimation in the eyes of the Book Sellers. It has now become very difficult for me to help other schools and teachers who seek my help.

Would you kindly take immediate steps to pay up the debts within a week and inform me of having done so. The Pustak Bhawan are sending me reminders every now and then.

Plesse note that I refuse to help you and your school in future unless you pay up you debts to the Pustak Bhawan within a week. I am sending one copy to the Govindpur Illaka Secretary and Synod Supervisor for their knowledge and necessary action.

Yours sincerely,

[Signature]

Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

CC.

1. Mr. Christo Ras Surin
Govindpur Illaka Secy.
2. Rev. Habil Topno,
Govindpur School Supervisor,

with a request to take suitable steps for realising the amount from Sri Mansukh Horo so that cost of Library books could be paid to Pustak Bhawan Ranchi. They are also requested to examine the accounts of the Gopalpur School and report its results to the Illaka for necessary action.

[Signature]

Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

Signature

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

DEPARTMENT OF PRIMARY EDUCATION

Head Supervisor Lutheran Schools

Mr. N. E. HORO.

No. 122 /59-113-10.

G. E. L. CHURCH, RANCHI.

Dated, the 3rd Sept. 1959

To,

All Synod Presidents and School Supervisors
of Burju/Govindpur/Takarna/Kinkel/Koronjo/
Khutitoli/Gumla and Lohardaga.

Sub:- "Head Supervisor's Letter".

S i r,

I am to say that the purpose of the above "Head Supervisor's Letter" was to acquaint the School authorities and the teachers with the various aspect of educational problems and Government Policies connected with the schools which the authorities should know and particularly when the country is under planning. You are also aware of the fact that it is not possible for me to acquaint you with the above problems through correspondence. Therefore, I thought it desirable to publish "Head Supervisor's Letter" every month. But in the absence of your co-operation I am realizing much difficulty in publishing this letter too.

I would therefore request you to kindly supply me a list of schools and the authorities who are ready to subscribe and have a copy of the "Head Supervisor's Letter" latest by the 20th Sept. 1959 in order to enable me to publish the next letter No.3 by the end of this month. If the subscription is not received in time the next publication will not be sent to such schools and the undersigned will not take responsibility of the consequences. Thanks.

Yours sincerely,

Signature

Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

A10 / 0

REPORT OF SCHOOLS RUN BY THE GOSSNER
EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH SINCE-1871.

The G.E.L.Church, formerly known as the German Mission till 1919, is the first organised society to include in its programme the work of imparting elementary education in the district of Ranchi. By 1852, the then German Mission had started several regular classes and village schools mostly in the southern and western portion of the district. It was really a difficult task to start schools in those days. Children had to be collected inspite of oppositions from their parents. The Zemindars looked at the missionaries with suspicion and discouraged the efforts of the missionaries for their own reasons. There was no fee system. Gradually however, levy of fee was introduced and the intending pupils attended classes and so village schools grew gradually.

Detail statistics are not available, since the valuable mission records were destroyed or lost during the last two World Wars. However, it is a fact that the first two schools were started at Ranchi which were a boarding schools. With the establishment of various mission stations in the district, several Boarding schools were started to cater to the educational needs of the villages situated round about those stations. In the second stage village schools were started with the active help and support of the Indian Christians themselves. In 1867, the two Boarding Schools at Ranchi (one for the boys and one for girls) had 80 boys and girl pupils. Besides, already about 300 boys and girls were reading in the same year in various village schools. It may be noted that only in few of the mission stations (which had boarding schools) separate schools for boys and girls were started but in majority of the cases village schools had Co-education. It is still there to-this-day. This was so because it was easier for the management to give primary education to the girls. Moreover, it was very difficult to get female teachers for the village schools. There were other reasons for not having so many separate schools for girls.

In 1871-73 there were 16 primary Boarding schools with 390 boys and girls. At the end of 1874 the number of schools increased to 63 with 1068 boys and 35 girls making a total of 1103 pupils. In spite of agrarian troubles in this district, in the year 1895 there was one High School at Ranchi i.e. the Gossner High School, 4 Middle English Schools and 94 Primary Schools with a total roll of 2320 (1925 boys and 395 girls). Then in 1912 the number of High Schools and Middle English Schools remained static but the number of Primary Schools increased to 187 with a total in all types of schools rising to 3229 i.e. boys - 2767 and girls - 462. In the next two years in 1914 the number of Primary Schools rose to 295 (number of High Schools and M.E. Schools remaining static) with a total roll of 8223 (boys 6451 and girls 1772). Then in 1915 there was 1 High School, 6 Middle English Schools and 260 Primary Schools. It seems some of the Primary schools were closed due to economic reason. The World War I had already begun and with that the Mission received limited money to run the schools. It was also difficult to obtain the services of educated people as village school teachers since many of them joined the Army who saw active service abroad.

During the War period the German Missionaries had to be repatriated and the mission properties were confiscated as alien properties. During this period the administration and management of the G.E.L. Church schools changed hands to the Anglican Bishop of Chotanagpur. It appeared for sometime that this mission would collapse with all its educational and other charitable institutions. However, alternate arrangements were made and the schools were steadied. In 1917 all schools closed in 1915 were revived and the number of Primary Schools was again 295.

During 1918 and 1919 this church was in the danger of liquidation due to the long absence of the missionaries. All foreign subsidies were stopped. This situation affected the institutions very much and their condition was deplorable. The year 1919 saw the autonomy of the Church, since then this society is called a Church and not a mission. As is natural, real difficulties cropped up after the autonomy of the Church. That means the burden of administering and managing the affairs of the church and the institutions rested solely on the shoulders of the local Christians. In order to tide over the difficulties, this church agreed to have a body called the Advisory Board which includes representatives of some foreign bodies through which arrangements to obtain financial assistance from individuals and societies for the aid of the schools was made. In 1920 the Advisory Board was abolished and thereafter the full responsibility of running the institutions rested with the local church. This change in the administration and responsibility affected the schools and so in 1921 there was 1 High School, 6 M.E. schools and 208 Primary Schools with 4764 boys and 1483 girls or a total of 6247 pupils.

The economic depression of the twenties very much affected the schools. During war years famine had affected the economic conditions of the people. This not only reduced the number of school children but reduced the number of schools too. By this time several village schools were started by other agencies and some of the schools changed hands to other missions working in the district. Again many of the village schools were either closed or passed hand to the district Board. The Church already began negotiation with the district Board, for handing over some schools to them. In 1926 this church ran only 1 High School, 6 M.E. Schools and 193 Primary Schools, by this the affect of great economic depression can be understood. This same figure persisted in 1932 when out of 193 Primary Schools 96 of them were handed over to the district Board. The Total roll in this year was 3898 including 1024 girl students. In 1936 the same number remained with a total of 7865 students including girls.

In 1938-39 there were- 1 High School, 6 M.E. Schools and 160 Primary Schools. In M.E. and Primary Schools there were 3850 boys and ~~1622xx~~ 1623 girl students. Out of 160 Primary Schools 85 were under the management of the Ranchi district Board. In 1940 one M.E. School was added. The Total roll of Primary Schools was - boys-527-pupils--- Boys - 2874 and Girls - 1024. In the High School altogether there were 527 pupils including 34 girls. In 1942 there were 2 High Schools (including a proposed one), 9 M.E. schools and 160 Primary Schools. In 1944 there were 3 High Schools including 2 proposed H.E. Schools, 9 M.E. Schools and 109 Primary Schools with 2257 boys and 423 girls. Ten years later in 1954 there were 4 recognised and 8 Proposed H.E. Schools, 11 M.E. Schools and 156 Primary Schools (recognised and unrecognised) with 6042 boys and 3253 girls. Today there are 6 recognised and 6 proposed High Schools, 11 M.E. Schools and 172 Primary Schools with 6920 boys and 3861 girls.

It may be seen from the above figures that figures of schools differ from time to time. The reasons are many i.e. there were many proposed Primary schools which had to be closed for financial and other reasons. In large number of cases due to the efforts of local congregations or Christian or other public proposed schools were opened, but generally it took much time to receive proper attention and recognition; failing which schools were closed. It was always said, and rightly said by the departmental officers that no new schools should be opened without its previous permission. Even if the departmental permission was sought, in large number of cases, no permission was ever received. The local Christians and the public in an effort to give their children at least some elementary education insisted for starting a school. The Church therefore started Primary schools here and there. In this process some school survived and many were abolished as there was much delay in departmental recognition. This is one reason why there was decline in the number of school going children from year to year.

In the post-war period this church started as many as 11 Proposed High Schools in the district; out of which today 5 have received full departmental recognition, 2 partially recognised and 4 are still proposed schools. One of the recognised High Schools is a girls school at Ranchi. It must be noted that for this work the credit goes to the Christian public of this church who have always evinced keen interest in the field of education. Although this church has limited resources at her disposal, still she was able to start so many schools as a post-war development scheme. It has been the experience in this district and elsewhere that people had suffered and lost many an opportunity in the absence of schools. Public could not have waited for a long time and expected the Government to open schools. Hence so many proposed schools. We feel satisfied that at least we have through our several proposed Primary, Middle and High Schools turned out hundreds of boys and girls who have passed through university education, many of whom are well placed in life. Fluctuating figures of our schools and pupils in the last 100 years may create a very unsatisfactory impression about the state of affairs but the amount of yeoman's service this church has done in the field of education in this period in spite of uncertainties cannot be denied.

It is heartening to know that the Government have now made a thorough survey about the educational opportunities in the villages and they are going to open large number of schools in this district. We wish that this task is carried out to the finish and every children of our country is educated.

G I R L S ' S C H O O L

In comparison to number of boys schools the girls section has a sad feature. Till very recently no special provision could be made by the Church for accelerating the girls education in the district. The girls were given education in the boys schools under co-education system, particularly in the primary and middle schools. There was, not at all any arrangement for their higher education. On the other hand there were only very few girls schools. Till to-day there are only 6 girls' schools. Out of 6 schools 1 is a High school and rest are primary schools. The girls education did not increase due to the fact that there were no separate schools for girls and the trained lady teachers were also not easily available from the very beginning, to be appointed in the girl schools. The female teachers had to go either to Deoghar or Patna but it was not possible for all intending ones due to financial and other reasons. Moreover, there was no opportunity to prosecute higher studies in the High Schools. In the most the girls schools were only up to 5th standard. The Middle School education was given to them in the boys schools. There was a complete absence of High Schools for girls.

In 1941 the need of a girls' High School at Ranchi was felt and the Church Council of the G.E.L. church decided to start a Girls' High School attached to Bethesda Girls' Middle School at Ranchi. This High School obtained recognition of the department in 1947 which is at present known as Bethesda Girls' High School. This is an only High School in the G.E.L. Church. A Womens' Training School was started in 1948 attached to Bethesda Girls' High School which now holding classes separately. At present the G.E.L. Church is running 1 High School, 6 Primary Schools in all.

REASONS OF DECLINE IN THE SCHOOL GOING CHILDREN
DURING 1921-22.

There was great economic depression during the twenties the world over which badly affected the number of school going children is the following :

1. Comparative statement of 1914 and 1921 will show that the cost of living rose to double in 1921-22 than what was in 1914. A student in a Boarding School who used to pay Rs.18/- per annum around 1914-15 had to pay Rs.36/- per annum in 1921 and in the subsequent years as Boarding fees. This was besides the tuition fees.
2. The G.E.L.Church which had just become Autonomous in 1919 was unable to meet the heavy expenditure of the schools, which included supporting a large number of poor boys and girls. The German Missionaries of this church who were repatriated during the world War I of 1914-18 had not returned and were not allowed by the then British Government to even remit foreign money. This told upon the finances of the young autonomous church, which had taken up the great responsibility of supporting its educational institutions spread throughout the district.
3. With the spread of education opportunities opened for educated people who sought for better jobs in preference to becoming school teachers. Dearth of teachers was, therefore, one of the reasons why several village schools had to be closed. It must be noted that the educated persons of the villages voluntarily or with nominal remuneration helped run village Primary schools. Economic pressure and availability of opportunities led them away elsewhere thereby depriving the village schools of the good services of these youngmen.

The percentage of decline in the number of schools was 29% and in the number of students 28% during 1921-22.

Copy forwarded:

1) Shri. (1) श्री सेवा मंडल

(2) The D.C.S. Supervisor of
Ranchi

3. The Catholic Inspector of
School Ranchi.

4) The H.D. Supervisor of
Lutheran School
Ranchi.

5. श्री श्री कल्याण मंडल

6. S.J.S. Ranchi
P. Socy. sety

At. To Birbantia (Ranchi)

पोस्ट कार्ड

आवासी
केवल पता



The H.D. Supervisor of

Lutheran School

Ranchi G.E.L.
Church Ranchi

At. Po. Ranchi

Bihar

File - No. 10, 20.2.22

प्रेषक - दक्षिण नगर शिक्षक संघ, सेक्टर

प्रेषित - HD Supervisor of Higher School
Sector.

Subject - नगरा वेतन वाद -

श्रीमान महोदय,

सविनय आप को सूचित
किया जाता है कि दिनांक 9.2.22
के 92वें को रॉनी Superintending
अप ऑफिस में सुर्खी का पत्र
एन 92वें शिक्षकों की दहासिता के लिए
है कि - एन - नगरा वेतन के वाद में
कई बार मिल बैठे हुए पर-सक
नगरा दूर - तिले करीब नगर शिक्षक
संघ के नगरीय की जेल लाबुहार
अ - नीचे लिखे आग्रहों की
पुकार हो रही है - नगरा अतमो
प्रदरा कर आदारी - जेल ला अप
लोड कर देंगे।

आपका निवेदन

1.1.0

दक्षिण नगर शिक्षक संघ

P. S. G. Sectr. 4

7. Arangi U. P. School
8. Ranikhatanga
U. P. School



आप का विवेक
 Rev. C. S. K. K.
 By. Presid.
 11/9/59.

The Head Supervisor
 Lutheran Schools
 S. E. H. Chief Ranchoi
 Dist. Ranchi

From. Synod President ^{11. 10}
Northern Synod
Lohardaga.

To. The Ho Supervisor
Luth. Schools Ranchi.

विषय - दू० पी० और एल० वर्ग स्कूलों
का वेतन वकाया १९४६-५० से
१९५२-५३ का सुगतान ।

महोदय,
आप की चिट्ठी नं० १२४/५६
तिथि २-६-५६ के अनुसार मैं
ने निम्न स्कूलों को ता० ११-६-५६
को जानकारी पत्र दिया ।

1. Lutheran U. P. Girls School
Lohardaga
2. Kocho R. P. School
3. Karak R. P. "
4. Keunkatoh R. P. School
5. Serenghat R. P. School
6. Jalpa U. P. School

P. T. O

An extract copy from the minutes of the Burja Full. Synod. meeting held at Burja on 8-1-59: -

1 पुरात सिनोड समिति की बैठक - तारीख 2-9-58

" Item No. 14: - समिति में दिए गए रिपोर्ट पर सोच-विचार कर सिनोड समिति ने निम्न लिखित निर्णय किए: -

(ii) - जो जो स्कूल जी. डी. एल. चर्च प्राचार्य के रेज्यूल में नहीं हैं वे स्कूल गवर्नेट के हाथ पर आवें । "

sd/ (Rev.) I. Harris
8/1/59
Synod President -
Burja

sd/ M. D. Hama
Secy.
Burja Synod
8/1/59

Forwarded to the
Secretary & H. D. Harris
viro, Luth. Sch.
Ranchi for favour
of kind consideration
and the need for
the same.
Secy Synod
Burja 17/1/59

No 8/59.

19/8/59

From,

The Secretary, Burju Synod, Burju.

To be placed before
CC Ex on
Sept 23-25, 1959

To,

The Head Supervisor, Lutheran Schools.
Ranchi.

Dated, Burju the 17th Aug. 1959.

Sir,

As the Burju Synod and the Glakas within this Synod, are unable to finance the schools, the teachers working in them are facing lots of troubles on account of non-payment of their Basic salaries for a long time.

It is therefore requested that the schools in this Synod, which are not included in the Schedule of the G.E.L. Church Properties, may kindly be handed over to Government.

An extract copy from the minutes of the Synod meeting held on 8-1-59 is enclosed herewith.

Yours faithfully,
M. Basu.

Secretary, Burju
Synod.

No. 111/59

22nd August, 1959.

To,

The Secretary,
Burju Synod, Burju.
P.O. Murshidabad. Ranchi.

Sir, with reference to your No. 8/59 of 17th Aug '59. I am to request you to kindly supply me a list of schools which are (i) included in the Schedule of G.E.L. Church Properties, and (ii) not included in the Schedule of G.E.L. Church Properties. Also quote whether the inclusion or exclusion in the Schedule of G.E.L. Church Properties is the deciding factor to be or not to be the schools of G.E.L. Church. Yours faithfully,
sd/-

श्रीमान

हेड सुपा मैजिस्ट्रेट लखनौ जिला राँची

प्रसेक्यूट

दीनता प्रबन्ध निवेदन है कि कुचनिका धूम्रपान
स्कूल के प्रधान शिक्षक जोहन बिडो यहाँ से बदली
किए जाय।

कारण १. उसकी पढ़ाई पन्द्रह दील है जिसके
वजह यहाँ के विद्यार्थियों को समझ बर्च नाश हो रही है।
कि समझ का स्कूल नहीं आता है और वह स्कूल को दोहरा
अपना आँका जाता है अपना आँका का प्रभावमानने
के लिये।

२ वह स्कूल मैनेजिंग कमिटी को नहीं मानता है।

३ उसके चलते मास्टरों में अनबन है और कमिटी को
पब्लिक हेड मास्टर से अग्रणी है।

४ अप्रयोग विद्यार्थियों को बुरा बदला है जिसे
विद्यार्थी दिनों दिन अग्रणी होते जाते हैं।

तो हे मास्टर जोहन बिडो को बदली न करने से
यहाँ के विद्यार्थी और पब्लिकों में अग्रान्ति सदा बना
रहेगा। स्कूल कमिटी बोरी बातों में समझे आइसरा के
साधने वह अग्रि देश काती है तथा दीनता प्रबन्धनी
है कि हमारे इस करारतक का उचित आवार्ड देने की
प्रार्थना किया करेंगे।

अतिथि -

कमिटी का सदस्य

पुसफ हुं डेज

गवर्नर ल मन्तलन

Gentlms Kerketta Dat. 27-7-1959

मन्तलन डोर

बन्धामीन कन्डुलना

पौलुस खेरा

उरन्तुस मिंज

प्रपुरसहाय। मन्तलना

शलिधामर कुज्जर

कुटनिधा यु० प्रो०

लखनौ

ता. 26-6-1958

पुसफ बाबा

Ghutebhar Pop. M.E. School
Thethaitangar Circle

Points from the inspection note of Sri Suresh Sharma dated 11.8.59:

1. Both the teachers ~~Mr~~ Marshal Samad heath, J.B.T. and Nathaniel Sum heath's S.B.T. were absent from the school without any valid reason.
2. Rooms are narrow and sufficient light & air don't come.
one room is — 24' x 13'
Another " " — 22' x 13'
3. Library: In Primary section books worth Rs 150/- are there. In the M.E. section books worth Rs 450/- should be purchased.
4. Record — Records are not properly kept. Seal of the school should include the word Proposed in order to avoid misunderstanding.
5. Furniture should be sufficient.
6. Reserve Fund — Should be deposited in the joint names of the Chairman & Secy of the school in the name of the Chairman ~~and~~ ~~Benjamin~~ Kerketta.
7. Land — 4 $\frac{1}{2}$ acres of land belonging to Sri Thomas Tjo has been donated to the Managing Committee.

1. One I.A. trained teacher
2. Library books worth Rs 450/-
3. Expansion of school buildings & rooms
4. Furniture
5. Reserve deposit of Rs 500/- to be done in the name of the Chairman & Secy of the Managing Committee.
6. Syllabus should be followed.
7. Departmental orders to be followed.

Extract minutes of Teachers' meeting of Koronjo Synod,
held on 23rd June, 1959. No. 17/59.

Item no. 3. चिह्नी से बातें. (Head Supervisor's letter no. 1 d/1.5.59.)

(1) ब्रोक ग्रांट —

जात चीत से सालूम हुआ १९४८-४९ से १९५१-५२ तक का
ग्रांट किसी स्कूल को नहीं मिला।

१९५२-५३ का ग्रांट सब स्कूलों को मिला।

१९५३-५४ का ग्रांट काहुपानी, केरेया, लतापानी, कुटनिया को
मिला पर राईवहार, अम्बापानी, छुटवहार और राजाबसा को नहीं मिला।

१९५४-५५ और १९५५-५६ का ग्रांट किसी स्कूल को नहीं मिला।

१९५६-५७ का ग्रांट सिर्फ राईवहार, कुटनिया, और लतापानी
को सिर्फ अप्रैल, ५६ से नोवेंबर, ५६ तक का मिला।

१९५७-५८ का ग्रांट किसी स्कूल को नहीं मिला।

१९४८-५२ तक का बिल सब स्कूलों ने दाखिल किया।

१९५२-५३ से ५५-५६ तक का बिल सब स्कूलों ने दाखिल किया
area 5.9.5 के जरिये।

१९५६-५७ से १९५८-५९ तक का बिल किसी स्कूल ने दाखिल
नहीं किया।

राजाबसा — राजाबसा के प्रो वि० श्री हेरन सुरिन ने अपने स्कूल के
ग्रांट सम्बन्धी बातों की गड़बड़ी दर्शायी — उनको कहा गया कि
वे गड़बड़ी सम्बन्धी पूरा विवरण Synod Supervisor को लिख दें
ताकि Synod Supervisor सुधार निमित्त Head Supervisor
Ranchi को अग्रसित कर सकें।

(2) अन्द्रेड शिक्षक —

केरेया U.P. School के शिक्षक ने दर्शाया कि Prabhuchay
Dang जो केरेया U.P. में काम करते हैं — उनका interview जनवरी,
१९५९ में हुआ पर appointment letter no. 990/-18-4-59
from S.S.E. और H.S. Supervisor's memo. no. 46-79/59 H.S.-4
dated 1-5-59 के अनुसार उनका नाम नहीं है। नाम है

Soma Turkey m. E. Kerca U.P. Vice Adhin Dang resigned.
सालूम पड़ता है लिखने में गलती है — होना चाहिये श्री

Prabhuchay Dang m. E. Kerca U.P. Vice Adhin Dang resigned.
Head Supervisor से अजी की जाती है — इसकी जांच करने की मेहरबानी की।

अन्द्रेड शिक्षकों की सूची —

Raibohar U.P. — (1) Sri Junas Kerketta m. E. - appointed
(2) Sukhi Salomi Durgding m. E. "

Kutnia U.P. — (1) Sri Suban Kinde m. E. "

Rajabasa U.P. — (1) Sri Johan Jojo m. E. "

Rajabasa U.P. —

Kerca U.P. — (1) Srimati Nilmani Turkey m. E. "

Ghutbaliar U.P. — (1) Sri Theodore Kandulua Matrie
appointed by Committee.

Ambopani U.P. — (1) Sri Winifred Turkey m. E. appointed
(2) Sri Suleman Horat m. E. interviewed
appointed by Committee.
(3) Srimati. Mariam Bilung appointed
by Committee.

Rajabasa U.P. — राजावसा के प्र. अ. ने दर्शाया कि श्री Johan Joo जो उनके स्कूल में अट्रेंड हो रहे काम करते हैं लंगड़े होने के नाते Training के लिये नहीं लिये जाते हैं - निर्णय हुआ - प्रबन्ध कारिणी सभा द्वारा Head Supervisor को लिखा जाय कि वे अधिकारियों से बातचीत कर उनके लिये Training का द्वार खोल दें।
Trained शिक्षक जो काम में नहीं हैं:—

(1) Service Record:—

Teachers' P.F. — तय हुआ P.F. w/c खोलने के लिये Head Supervisor के जरिये Department को लिखा जाय।

सूचना — Head Supervisor से निकलने वाला मासिक पत्र - Head Supervisor द्वारा निकलने वाले मासिक पत्र की आवश्यकता शिक्षकों ने महशुस किया और गृह बनने की राय दी।

J. Shaw
Synod School Supervisor
Koroujo.
23/6/57

No. 18/59
Budget for Lutheran Middle School, Koronjo for 1959.

Income:—

(1) From school fees	Rs 840/—
(2) From Grant-in-aid	Rs 760/—
(3) From Govt. grant for Enhanced salary & D.A.	Rs 2244/—
(4) From church.	Rs 1820/—
Total	Rs 5664/—

Expenditure:—

(1) Teachers' salary (church)	Rs 2628/—
(2) Enhanced pay & D.A. from Govt.	Rs 2436/—
(3) Subsidiary a/c's	Rs 600/—
Total	Rs 5664/—

J. Dhan
Headmaster
Middle school, Koronjo.
4/6/59

Budget for Lutheran Middle School, Koronjo for 1959.

Income:—

(1) From School fees.	Rs 840/—
(2) From Grant-in-aid.	Rs 760/—
(3) From Govt. grant for Enhanced salary, D.A. & H.M.S.A.	Rs 2244/—
(4) From Church.	Rs 1820/—
Total	Rs 5664/—

Expenditures:

(1) Teachers' salary (Basic)	Rs 2628/—
(2) Enhanced salary, D.A. & H.M.S.A.	Rs 2436/—
(3) Subsidiary a/c's	Rs 600/—
Total	Rs 5664/—

J. Dhan
Headmaster
Luth. Middle School,
Koronjo
4/6/59

No. 17/59 Annual Statement of Income & Expenditure of Lutheran Middle School,
 Koronjo. Thana Thethaitangar, Sub-Division Simdega, Dist Ranchi.
 From Church:

Income			Expenditures.							
Trees	Deficit	Total	Salary	Contingency	Building	Misc.	Furniture & Apparatus	Boarding	Scholarship	Total.
832/-	1015/-	1847/-	1367/-	240/-	120/-	120/-				Rs 1847/-

From Govt.

Income				Expenditures:							
Govt. Grant	Enhance Pay & S.A. &c.	Scholar- ship	Total	Salary	Contingency	Building	Misc	Furniture & Apparatus	Boarding	Scholarship	Total
760/-	1995/-	180/-	2935/-	2685/-	10/-		60/-			180/-	2935/-

J. Dhan
 Headmaster
 Ruth. Middle School, Koronjo
 4/6/59

No. 20/59 Roll no. of the students of Lutheran Middle School, Koronjs,
Thane Thethaitangur, Sub-Division Simdega, Dist Ranchi.

In 1958

Aboriginal students		Hindu students		Muhammedan students		Horizan students		Christian students		Total		
B.	G.	B.	G.	B.	G.	B.	G.	B.	G.	B.	G.	
74	34	2	-	1	-	-	-	66	33	77	34	Aboriginal students में Christians और Non-Christians दोनों शामिल हैं।

In 1959

Aboriginal students		Hindu students		Muhammedan students		Horizan students		Christian students		Total		
B.	G.	B.	G.	B.	G.	B.	G.	B.	G.	B.	G.	
120	50	2	1	-	-	1	-	96	47	123	51	Aboriginal students में Christian और Non-Christian दोनों शामिल हैं।

J. Dhan
Headmaster
Luth. Middle School, Koronjs
4/6/59

10/1/59

१८५८ साल का आंकड़ा, माध्यमिक पाठशाला धुन्धार /

१	२		३		४		५		६		७
कुल का नाम	आदिवासी क्षेत्र		हिन्दू क्षेत्र		मुसलमान क्षेत्र		ख्रिस्तियन क्षेत्र		ईसाई क्षेत्र		
	७०	८०	७०	८०	७०	८०	७०	८०	७०	८०	
जी० ई० स्कूल ५० माध्यमिक पाठशाला धुन्धार	४३	११							४३	११	
	४३	११							४३	११	

Headmaster, M. S. School,
M. S. School,
6/1/59
W. B. Bagla

22/59
1959 ਮਾਰਚ ਕਾ ਮਾਹਿਕਾ, ਮਾਧਿਆਮਿਕ ਪਾਠਸ਼ਾਲਾ, ਫ਼ਤਹਗੜ੍ਹ /

1	2	3	4	5	6
ਦਿਨਾਂ ਕਾ ਨਾਮ	ਮਾਧਿਕਾਮਿਕ ਕਾਨਾਂ	ਦਿਨਾਂ ਕਾਨਾਂ	ਮੁਸਾਵਰਾਮਿਕ ਕਾਨਾਂ	ਦਿਨਾਂ ਕਾਨਾਂ	ਦਿਨਾਂ ਕਾਨਾਂ
ਜੀਓ ਸੀ ਪਲਾਟ ਭੰਡ ਮਾਧਿਆਮਿਕ ਪਾਠਸ਼ਾਲਾ ਫ਼ਤਹਗੜ੍ਹ /	ਭੰਡ 22	ਭੰਡ 12	ਭੰਡ -	ਭੰਡ -	ਭੰਡ -
	22	12	-	-	-

Headmaster Middle School
Fatehgarh,
6/7/59.

१८५८ द्वारा का 'वज्र' मादमिक पालिका,
धुवकास।

[illegible]

CHUTRAHAT
6/8/89.

24/57

1957 साल का आमद-रकत, माध्यमिक पाठशाला,
धुलकाई।

आमद			(रकत)		
जीस से	सीनोट्स	नोट्स	वेबन लव्य वार्डिन	अटिन्नेसी	नोट्स
₹ 62)	920)	920)	1200)	600)	1260)

Mamod.
on 6/3/57
Middle English School

जो ई सल य पी स्कूल के रेया, पो नो के रेया, चाना - हे डिवांगर भाचल - हे डिवांगर बिला रांची ॥
 जनेट १६५६ ई

No 35/59

अध्यापक	स्वर्च				जोड	सरकार से आमदनी जो मिलना चाहिए					जोड	मिशन से आमदनी जो मिलना चाहिए				जोड
	वेतन दर	डीर	प्रभा मत्ता	कमिटेन्सी, मकान रेवुल, कुसी वगैर पदार्थ का सामग्री स्कूल रसीप आदि		वेतन	डीर	प्रभा मत्ता	कमिटेन्सी	शान्त इन-एड		वेतन	डीर	प्रभा मत्ता	कमिटेन्सी	
प्रधान शिक्षक	४४/	१५/	२/	२०/	२१/	२६/	१५/	२/	-	६/	५२/	१५/			२०/	३५/
द्वितीय शिक्षक	४२/	१५/	-		५०/	४२/	१५/			-	५०/	-				-
तृतीय शिक्षक	४२/	१५/			५०/	२०/	१५/			४/	४६/	१५/				१५/
चतुर्थ शिक्षक	३०/	१५/			४५/	१५/	१५/			५/	३५/	१५/				१५/
पंचम शिक्षक	३०/	१५/			४५/	१५/	१५/			५/	३५/	१५/				१५/
१ माह का	१२२/	७५/	२/	२०/	२२५/	१२२/	७५/	२/		२०/	२२५/	६०/			२०/	२०/
१२ माह का	२२५६/	६००/	२४/	२४०/	३४२०/	२५३६/	६००/	२४/		२४०/	२६००/	७२०/			२४०/	६६०/

सामु सल कनुलना
 प्रधान शिक्षक
 मू पी स्कूल के रेया
 २६.६.५६ ई

श्री ई. सुल. यू. पी. स्कूल केरेया, पो. ओ. केरेया, थाना-ढेडाईरागर, अंचल-ढेडाईरागर जिला-रांची, 36/57
 सालाना आमद खर्च का व्योरा १९५२ ई.वी.

आय		व्यय						कैफियत ।
प्रबन्धक	आमदनी	(ग) खर्च विविध मद में						
		वेतन	कस्टिजेन्सी	सफाई	टेबुल	कुर्सी	पढ़ाई का सामग्री	
(क) कलीसा के द्वारा -	२४२/	२४२/						नोट :- सरकार से कुर्सी, सुपी, बल्ली, डेस्क आदि मिला है ।
(ख) सरकार के द्वारा -	२४६०/	२४६०/						
जोड़	२७०२/	२७०२/						

सोम सुल कन्दुलना ।
 प्रधान शिक्षक ।
 यू. पी. स्कूल केरेया ।
 २६.६.५६ ई.

37/57

जी.ई. रुला यु.पी. स्कूल केरेया, पो.ओ. केरेया, धाना - डेडाईरांगर अंचल - डेडाईरांगर, जिला - रांची ॥
आंकड़े ।

साल	आदिवासी विद्यार्थी		हिन्दू विद्यार्थी		मुसलमान विद्यार्थी		हरिजन विद्यार्थी		इसाई विद्यार्थी		संसार आदिवासी		जोड़	कैशियन
	लड़का	लड़की	लड़का	लड़की	लड़का	लड़की	लड़का	लड़की	लड़का	लड़की	लड़का	लड़की		
१९५८ ई.	८१	६४					१२	-	७४	६४	७		१५६	
जोड़	८१	६४	-	-	-	-	१२	-	७४	६४	७	-	१५६	
१९५९ ई.	६७	८१	७	४			१२	२	६४	८७	३	१	२०३	
जोड़	६७	८१	७	४	-	-	१२	२	६४	८७	३	१	२०३	

साम्बल कन्दुलना
प्रधान शिक्षक
यु.पी. स्कूल केरेया
२६-६-५९ ई.

No. 25/59 १६५२ साल के मांकड जी. ई. एल. यू. पी. स्कूल धुबहर

1	2	3	4	5	6	7
स्कूल का नाम	आदिवासी छात्र	हिन्दु छात्र	मुसलमान छात्र	बौद्ध छात्र	ईसाई छात्र	कैफियत
जी. ई. एल. यू. पी. स्कूल धुबहर	बा० ६५ क० ६२	बा० - क० -	बा० - क० -	बा० १ क० -	बा० ६९ क० ६२	
जी. ई.	६५	६२	-	-	१	-

प्रधान शिक्षक

मतिचास डंग

जी. ई. एल. यू. पी. स्कूल धुबहर

७-७-५६

26/57 १६५६ साल के आंकड़े जी. ई. एल-यू. पी. स्कूल धुवहर

१	२		३		४		५		६			
स्कूल का नाम	आदिवासी छात्र		हिन्दु छात्र		मुसलमान छात्र		एजिन छात्र		ईसाई छात्र			
जी. ई. एल-यू. पी. स्कूल धुवहर	बा०	क०	बा०	क०	बा०	क०	बा०	क०	बा०	क०		
	१०२	७३	-	-	-	-	-	-	१०२	७३		
जोड़	१०२	७३	-	-	-	-	-	-	१०२	७३		

प्रधान शिक्षक
मतिदास ठांग
जी. ई. एल-यू. पी. स्कूल धुवहर
३-५-५६

27/57

१२५२ का आम-दानी और खर्च

स्कूल का नाम	मिशन से	सकार से	खर्च		केंद्रियता
जी. ई. एल-ग्र. पी. स्कूल बुटवल	४५०)	१५४२)	बैलन कन्टीनजें- न्सी -	३२०) ३०)	१५४२)
जोड़	४५०)	१५४२)	-	४५०)	१५४२)

प्रधान शिक्षक
जी. ई. एल-ग्र. पी. स्कूल बुटवल

७/8/2022
GHUTBAHAR
SCHOOL

28/59

१८५८ साल का बजट

अधिकार का मासिक दर	वार्षिक व्यय कन्ट्रोल-जेन्सी	जोड़	
६१)	७३२)	६०)	७८२)
६१)	७३२)	६०)	७८२)

प्रधान अधिकारी
महाराष्ट्र राज्य
जी. ई. एल. - पुणे - कल-बुधवार
७-७-५८

GHUTAKHAR
P. SCHOOL

जी० ई० एल० एल० परी० स्कूल क० पानी का 41/53
बजेट, १६५६

आमद —

गान्-रु० एड.	—	६६०
सरकार से बढ़ती केलन	—	६७२
जी० ए० सरकार से	—	३६०
कालीन जेन्सी	—	१२
प्र० अ० का भत्ता	—	१२
	कुल	११५२
		४३२
		१५२४

खर्च —

तलब में आधार और बढ़ती	—	१०३२
जी० ए०	—	३६०
भत्ता	—	१२
कालीन जेन्सी	—	१२०
		१५२४

जी.ई. एल. एल. पी. स्कूल कहुपानी पो. डो. जामपानी जिला राँची ।

५/५७

बजेट - १९५६ ई.

खर्च					सरकार से आमद जो मिलना चाहिये।						मिशन से जो आमद मिलाना चाहिये।					
अध्यापक	वेतन दर	डी.ए.	पु. अ. भत्ता	कॉन्टिनेन्टेंसी मकान, ट्रेडिंग, कुर्सी वगैरे, पढ़ाई की सामग्री फ्लोमर/सिख आदि	जी.ई.	वेतन	डी.ए.	पु.अ. भत्ता	कॉन्टिनेन्टेंसी	ग्रान्ट इन एड	जी.ई.	वेतन	डी.ए.	पु.अ. भत्ता	कॉन्टिनेन्टेंसी	जी.ई.
रीयल समद	४४/-	१५/-	३	३५/-	७५/-	२६/-	१५/-	९/-	३/-	४/-	५०/-	३५/-	-	-	३५/-	३०/-
जुनगी बंजुलना	४२/-	१५/-	-	-	५७/-	२०/-	१५/-	-	-	४/-	४६/-	१५/-	-	-	-	१५/-
३ माह का	८६/-	३०/-	३/-	३५/-	१३२/-	५६/-	३०/-	३/-	३/-	८/-	६६/-	३०/-	-	-	३५/-	४५/-
१२ माह का	१०३२/-	३६०/-	३२/-	३८०/-	१५८४/-	६७२/-	३६०/-	३२/-	३२/-	६६/-	११५२/-	३६०/-	-	-	३८०/-	५४०/-

प्रधानाध्यापक

रीयल समद
कहुपानी एल.पी. स्कूल
३-७-५६

जी.ई.एक.एक.पी.स्कूल कहुपानी, पो. ओ.जामपानी जिला राँची ।

२२/८३

आंकड़ें

साल	आदिवासी विद्यार्थी		हिन्दु विद्यार्थी		मुसलमान विद्यार्थी		हरिजन विद्यार्थी		इसाई विद्यार्थी		संसार- आदिवासी		औड़.
	लड़का	लड़की	लड़का	लड़की	लड़का	लड़की	लड़का	लड़की	लड़का	लड़की	लड़का	लड़की	
१९५८ ई०	२६	३०	-	-	-	-	-	-	२३	२८	३	२	५६
१९५९ ई०	३८	३७	-	-	-	-	-	-	३५	३७	३	-	७५

प्रधानाध्यापक

रीयल समर

कहुपानी एक.पी.स्कूल

३-७-५९

जी.ई.एल.एल.पी स्कूल कहुपानी पो.ओ.जामपानी जिला-रांची।

43/59

सालाना आमद खर्च का ब्योरा ३६५८ ईश्वी।

आय		व्यय					
प्रबन्धक	आमदनी	वेतन	कॉन्टिनेजेन्सी	भकान	टेबुल	कुर्सी	पढ़ाई की सामग्री
१, कबीरा के द्वारा	४०) चन्दा से	३७) रु०	३/रु०	-	-	-	-
२, सरकार के द्वारा	६७३) रु० वेतन और महंगाई भत्ता	६७३/रु०	-	-	-	-	२ कुर्सी २ बाल्टी २ दर्जन लुपे २ दर्जन तकली २ दर्जन अटेशन ५ नकशा १ शीख १ घंटी ।
जोड़		७१०) रु०	३/रु०				

प्रधानाध्यापक

रीयल समद

कहुपानी एल.पी. स्कूल

३-७-५६

47/57

बजट सन् १९५६ ई०, लतापानी जी. ई. एल. यू. पी. स्कूल ।

स्कूल का नाम	व्यय	भाय	कैफियत ।
जी. ई. एल. यू. पी. स्कूल लतापानी कोरोजोसिनोड	१, ४ शिक्षकों के वेतन, डी. ए. एंव प्र. ग्र. भत्ता में २७७२/ २, कन्टोनमेन्टो महवारो ५ के दर से वर्षा का ६०/ १००/ ३, मकान मरम्मत ५०/ ४, टेबुल कुर्सी आदि ५०/ ५, पढ़ाई की सामग्री ५०/ ३०३२/	शिक्षकों का वृद्धि वेतन, डी. ए. सरकार से २०५०/ काली शा से — ६८२/ ३०३२/	३०३२/ में से २०५०/ बाकी ६८२/ का खर्च कलीशा को इन्तजाम करना है। स्कूल के लिये स्कूल से कोई आमदनी नहीं है।

लीखा है
प. ग्र. लतापानी
जी. ई. एल. यू. पी. स्कूल
२५/६/५६

विद्यार्थियों का प्रान्त १६५८ एवं १६५९ लतापानी जी. ई. एल. प्र. पी. स्कूल ।

५४/५७

इ.पी.	स्कूल का नाम	वर्ग	आदिवासी		हिन्दु		मुसलमान		हरिजन		इसाई		जमा	कैफियत	
			बा.	क.	बा.	क.	बा.	क.	बा.	क.	बा.	क.			
१६५८	जी. ई. एल. प्र. पी. स्कूल लतापानी / कोरोंजी सिनोड	५वां	१		१	-	-	-	-	६	८	८	८	-	
		४था	-	-	-	-	-	-	-	११	६	११	६		
		३रा	१	-	-	-	-	-	-	४	१	५	१		
		२रा	१		१	-	-	-	-	६	३	८	३		
		१ला	-	-	-	१	-	-	४	-	१६	१५	२३		१६
			३	-	२	१	-	-	४	-	४६	३६	५५		३६
१६५९		५वां	-	-	-	-	-	-	-	११	८	११	८		
		४था	-	-	-	-	-	-	-	१०	३	१०	३		
		३रा	१	-	१	-	-	-	-	६	२	८	२		
		२रा	-	-	-	-	-	२	-	८	५	१०	५		
		१ला	८	-	२	२	-	-	५	-	२०	१६	३५		१६
		जमा	६	-	३	२	-	-	७		५५	३५	७४		३६

लेखापति
पुं. प्र. लतापानी प्र. पी. स्कूल
२५/६/५६

ग्रामद खर्च का व्योरा सन् १९५८ लतापानी जी. ई. एल. प्र. पी. स्कूल।

११/५८

स्कूल का नाम	प्रबन्धक	ग्रामदनी	खर्च							कैम्पियत
			वेतन एवं डो. ए.	कन्टीनजेन्सी	मकान	टेबल कुर्सी	पढ़ाई की सामग्री	बोर्डिंग	स्कोलरशिप आदि	
जी. ई. एल. प्र. पी. स्कूल लतापानी	कलीशा के द्वारा	—	—	—	—	—	—	नहीं है	—	
	सरकार के द्वारा	१२६२/	१११४/	४२/	—	—	५२/	—	२४/	दिसम्बर ५८ अगस्त ५९ तक दो ही शिबक को वेतन मिला है।
जमा		१२६२/	१११४/	४२/	—	—	५२/	—	२४/	

जी. ई. एल. प्र. पी. स्कूल
लतापानी जी. ई.
एल. प्र. पी. स्कूल ।
२५/६/५८

44/55

G.E.L. U.P. School, Rajabasa P.O. Ghutbafar
Dist Ranchi.

Budget for 1959.

आमदनी -

ग्रान्ट-इन-एड से	१३१)
सरकार से - बढ़ती नेतन और	१२००)
डी० ए०	७२०)
कॉन्टिजेन्सी सरकार से	१२)
कलीशा से	६०१)
जमा	२६६४)

खर्च -

तलब में वेसिक और बढ़ती	१७४०)
डी० ए०	७२०)
प० अ० का भत्ता	२४)
कॉन्टिजेन्सी	१२०)
	२६६४)

जी. ई. स्कूल मू. पी. स्कूल राजाबासा, पो. मो. छुटकाहार, जिला राँची। 4/5/87

मांकड

साल	आदिवासी विद्यार्थी		हिन्दू विद्यार्थी		मुसलमान विद्यार्थी		हरिजन विद्यार्थी		इसाई विद्यार्थी		संसार आदिवासी		जोड़	कैफियत
	लड़का	लड़की	लड़का	लड़की	लड़का	लड़की	लड़का	लड़की	लड़का	लड़की	लड़का	लड़की		
१८५८ई	५३	३६	-	-	-	-	-	-	४६	३६	६	-	८०	
१८५८ई	५५	३४	-	-	-	-	-	-	५६	३४	२	-	९०	

प्रधानाध्यापक का हस्ताक्षर

हेरन सुरिन

मू. पी. स्कूल राजाबासा
१-६-५८ ई.

46/57

जी.ई. एल. यू. पी. स्कूल राजाबसा, पो. मो. घुटबहार जिला राँची /
सालाना आमद और खर्च का ब्योरा १९५८ ई. का /

आय		व्यय					
प्रबन्धक	आमदनी	वेतन	कन्विनेन्सी	मकान	टेबुल	कुर्शी	पढ़ाई की सामग्री
१, कलीशा के द्वारा	१२०/-	१६५/-	५/-	-	-	-	-
२, सरकार के द्वारा	१५००/-	१५००/-	-	-	-	-	-
							३ टेबुल ३ चौकी ४ कुर्शी पद ७ नकशा ६ चार्ज २ बाल्टी १ कम्पास ४ व्याला १० कुफल ३२ रुपी १ घंटी १ घंटी १ ऐन्क २ चरबी
	१६२०/-	१६६५/-	५/-	-	-	-	-

प्रधानाध्यापक का हस्ताक्षर
हेरन कुरिन
राजाबसा यू.पी. स्कूल
१-६-५८ ई.

No. 2953

लुथेरान मिशन यू. पी. स्कूल रायबहार, थानाओ डाकघर ठिठइटांगर
जिला राँची।

बजेट १९५८ ई०।

खर्च

सरकार से आमद जो
मिलना चाहिये।

मिशन से आमद जो
मिलना चाहिये।

कैफियत

खर्च					सरकार से आमद जो मिलना चाहिये।					मिशन से आमद जो मिलना चाहिये।					कैफियत		
आध्यापक	बैतन	कै. ए.	प्र. मा. अला	कान्टिन जे. सी. मकान भरिभरा २०० रु. के लिए १०० रु. सामग्री	जोड	बैतन	कै. ए.	प्र. मा. अला	कान्टिन जे. सी. मकान भरिभरा २०० रु. के लिए १०० रु. सामग्री	जोड	बैतन	कै. ए.	प्र. मा. अला	कान्टिन जे. सी. मकान भरिभरा २०० रु. के लिए १०० रु. सामग्री	जोड		
जकरिया मिज M.E.E.	४४/-	१५/-	२/-	X	६१/-	२४/-	१५/-		३/-	६/-	३५/-	२३/-	२/-	-	२४/-	२४/-	२४/-
सलोमा डुगडुग M.E.	३९/-	१५/-		X	४६/-	१५/-	१५/-			४/-	३०/-	१६/-			१६/-	१६/-	१६/-
अनस केरकेरा M.E.	३९/-	१५/-		-	४६/-	१५/-	१५/-			४/-	३०/-	१६/-			१६/-	१६/-	१६/-
हारा कुल ३.०७.	४२५/-	१५२/-			२६०/-	४२५/-	१५२/-			२६०/-							
	१४५/-	६०/-	२/-		२१०/-	७५/-	६०/-	३०/-	१४५/-	१२५/-	२५५/-	२/-	२/-		२६/-	२६/-	२६/-

१. प्रहीने में सिनोड का देन २६०/- होता है। इस लिये साल आगे में २६० x १२ = ६२४०/- सिनोड का देन होता है।

२४/- २४/- २४/-
सिनेड का देना होता है
५०/- होता है
इस लिये साल
मा. मे ५० x १२
= ६००/-
सिनेड का
देना होता है।

जकरिया मिज प्रधानाध्यापक
उ. प्रा. वि. रायबहार
१.०.५८

38/57

जी. ई. एल. प्र. पा. स्कूल रायबहार पी. ओ. डिस्ट्रिक्ट जिला राँची
१६५२ ई का खर्च खोरा

आय	व्यय ।						
प्रबन्धक	वैतन तथा डी. ई.	प्र. ज. भत्ता	मकान मरम्मत	कन्टीन- जैसी	पयई की शामग्री	बन्दा	
१ कलौशा के द्वारा	-	-	-	-	-	१५०/-	
२ सरकार के द्वारा	१५६०/-	-	२५२/- २३२/-	२५ डेक्स	चार्ट आदि मिला है १ ग्रीन १ टेबुलघड़ी		

जकरिया मिंज प्रधानाध्यापक
उ. प्रा. वि. रायबहार
१.७.५८

31/59

लुथेरान प्र. पी. स्कूल रायबहार पी. ओ. डिबईटांगर
जिला रांची।
आंकड़े

साल	आदिवासी विद्यार्थी		हिन्दू विद्यार्थी		मुसलमान विद्यार्थी		हरिजन विद्यार्थी		ईसाई विद्यार्थी		संसार आदिवासी		कैफियत
	लड़का	लड़की	लड़का	लड़की	लड़का	लड़की	लड़का	लड़की	लड़का	लड़की	लड़का	लड़की	जोड़।
१९५२							६		३८	२४	१	१	६९
१९५३							११	६	४९	३६	२	४	१०१

Working Head Master
U. P. School Raibahar
1.7.59

जी० ई० एल यू० पी० स्कूल गम्बार्नि पी० ग्पो० ठेठईटांगर रांची ।
वर्जेट १६५६ ई०

No. 34/55

खर्च					जोड़	सरकार से भ्रामद जो मिलना चाहिये ।					जोड़	मिशन से भ्रामद जो मिलना चाहिये				जोड़
गुध्यापक	वेतन दर	डी.ए.	प्र. ग्प. भत्ता	कन्टीनजेन्सी मकान टेबूल कुर्शी वगैरह पढ़ाई सामग्री स्कूलरशिप आदि		वेतन दर	प्र. ग्प. भत्ता डी.ए.	प्र. ग्प. भत्ता	कन्टीन जेन्सी	ग्रान्ट इन एड.		वेतन.	डी.ए.	प्र. ग्प. भत्ता	कन्टीन जेन्सी	
प्रधान शिक्षक	४४/	१५/	२/	३०/	६१/	२६/	१५/	२/	—	६/	५२/	१५/	—	—	३०/	४५/
द्वितीय शिक्षक	३०/	१५/	—	—	४५/	१५/	१५/	—	—	५/	३५/	१५/	—	—	—	१५/
तृतीय शिक्षक	३१/	१५/	—	—	४६/	१६/	१५/	—	—	५/	३६/	१५/	—	—	—	१५/
चतुर्थ शिक्षक	३०/	१५/	—	—	४५/	१५/	१५/	—	—	५/	३५/	१५/	—	—	—	१५/
पंचम शिक्षक	३०/	१५/	—	—	४५/	१५/	१५/	—	—	५/	३५/	१५/	—	—	—	१५/
१ माह का	१६५/	७५/	२/	३०/	२७२/	६०/	७५/	२/	—	२६/	१६३/	७५/	—	—	—	१०५/
	१६२०/	६००/	२६	३६०/	३२६४/	१०२०/	६००/	२४/	—	३१२/	२३१६/	६००/	—	—	—	१२६०/

युनस सोरेंग यू० पी० स्कूल गम्बार्नि - २-७-५६

जी. ई. एल. यू. पी. स्कूल ग्रामबाणी पी. एम. डेढाईटांगर जिला राँची।
 सालाना ग्रामद खर्च का व्योरा :- १८५८ ई०

33/59

प्राय		व्यय						
(क)	(ख)	(ग) खर्च विविध मद में						
प्रबन्धक	ग्रामदनी	वेतन	कन्टीन जेन्सी	मकान	टेबल	कुर्शी	पढ़ाई की सामग्री	
१ कलेशा के द्वारा	२७०/	२७०/	-	-	-	-	-	नोट:- सरकार से लुरपी, कुदाल, बाल्टी, चरखा, अटेरन वकली, चार्ट, शीव आदि मिला है।
२ सरकार के द्वारा	२००४/	२००४/	-	-	-	-	-	
जोड़	२२७४/	२२७४/						

युनस-सोरेण

ग्रामबाणी स्कूल ग्रामबाणी।

२-७-५६

जी० ई० एल यू० पी० स्कूल प्रमोदपुर पो० मो० डेढाई टांगर रांची
ग्रां.कडे

34/59

साल	अपादिवासी छात्र		हिन्दु छात्र		मुसलमान छात्र		हरिजन छात्र		इसाई छात्र		संसारि अपादिवासी छात्र		जोड़	
	बा०	क०	बा०	क०	बा०	क०	बा०	क०	बा०	क०	बा०	क०		
१८५८ ई०	५७	४५	-	-	-	-	१	-	५६	४५	१	-	१०३	
जोड़	५७	४५	-	-	-	-	१	-	५६	४५	१	-	१०३	
१८५९ ई०	५०	५३	-	-	-	-	१	-	५६	५३	१	-	१३४	
जोड़	५०	५३	-	-	-	-	१	-	५६	५३	१	-	१३४	

यन्त्र पोरेण
यू० पी० स्कूल कंवाथाली
२-७-२६

38/59

सलाना आमद खर्च का व्यौरा सन १८५८ ई०।
जी० ई० एल० यू० पी० स्कूल कुटुम्बिया पो० भा० ठेठाईटांगर जिला रांची।

स्कूल का नाम	प्रबन्धक	आमदनी	खर्च							वै. विधता
			बैतन एवं डी० ए०	कंठिंग- जैसी	मकान	टेबल कुर्सी	पढ़ाई की सामग्री	बोर्डिंग	स्नोलेट शिप आदि	
जी० ई० एल० यू० पी० स्कूल कुटुम्बिया कोरांजो सिनोड	कल्लिशा के द्वारा सरकार के द्वारा	 १२२४/	 १२२४/	 ५०/	 -	 -	 ५०/	नहीं है -	... -	
		१२२४/	१२२४/	५०/	-	-	५०/	-	-	

जोहन मिश्र

प्र० भा० कुटुम्बिया जी० ई० एल०

यू० पी० स्कूल ।

२६-६-५८

39/52

विद्यार्थियों की आंकड़े १८५८ एवं १८५८. कुटुम्बिया जी. ई. एल. यू. पी. स्कूल पो. डेढाईरांगर जिला रांची ।

ईश्वरी	स्कूल का नाम	वर्ग	आदिवासी	हिन्दू	मुसलमान	हरिजन	ईशाई आदिवासी	जमा	कै. पिपल		
१८५८	जी. ई. एल. यू. पी. स्कूल कुटुम्बिया कोरेरांजो सिनोड	-	बा.	क.	बा.	क.	बा.	क.	बा.	क.	
		५वां	.	.	.	.	.	६	६	६	६
		४वां	.	.	.	.	.	६	५	६	५
		३रा	.	.	.	.	.	६	१	६	१
		२रा	.	.	.	.	.	५	८	५	८
		१ला	.	.	.	.	.	१०	१५	१०	१५
		जमा	.	.	.	.	.	३३	३६	३३	३६
		५वां	.	.	.	.	.	६	६	६	६
४वां	.	.	.	.	.	६	२	६	२		
३रा	.	.	.	.	.	३	६	३	६		
२रा	.	.	.	.	.	६	६	६	६		
१ला	१	१	.	.	.	१६	२८	१८	३०		
जमा	१	१	.	.	.	३८	५९	३८	५९		

जोहन किडो प्रभो जी. ई. एल. यू. पी.
स्कूल कुटुम्बिया
२६-६-५८.

बजेट सन १९५६ ई० कुटुम्बिया जी० ई० एल० यू० पी० स्कूल पो० ठेठाईटांगर जिला रांची ।

48/59

स्कूल का नाम	व्यय	आय	वै. निमत
जी० ई० एल० यू० पी० स्कूल कुटुम्बिया कोरोजो सिनोड	१/ शिक्षकों के वेतन, डी० ए० एवं प्रधान अ० भत्ता में १३०८/ २/ कटिंग जेस्सी माहवरी ५/ मे ५२ से साल भर का ... ६०/ ३/ मकान मरमत में ... १५०/ ४/ टेबुल चौकी आदि ... ६०/ ५/ पढ़ाई की सामग्री ... ५०/ आधार वेतन तीन शिक्षक भा० ... १६२८/+ ५४० १५) माहवरी - (साल भर का) — २१६८	शिक्षकों का वृद्धि वेतन, डी० ए० सरकार से १२८४/ कलीशा से — — — ८८४/ २१६८/	२१६८/- १२८४/ ८८४/ बाकी का खर्च कलीशा को इलाजाम करना है स्कूल में किये स्कूल से कोई आमदनी नहीं है।

जोहन मिर्डे
प्र० अ० कुटुम्बिया जी० ई० एल०
यू० पी० स्कूल ।
२६-६-५६

Gumla.

G. E. L. Church

21-3-1959

The Secretary

G. E. L. Church Council

Raichhi.

महोदय,

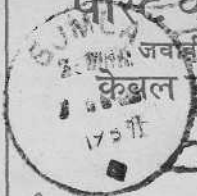
आप को योगसहाय।

आप को गुमला Western Synod C. E. Side का मर्दम-
सुगरी १८५८ का तारिख ७-१-१८५८ को डंक द्वारा भेजा
गया है। यदि ऑफिस में जुल हुई हो तो मैं तुरन्त भेज देता हूँ।
Bible Society Chanda के बारे में तुरन्त कोविष विचार
जायगा और चक्र जमा हो जाने पर तुरन्त भेज दिया जायगा।

आप का विश्वास, J. P. Bage.



पोस्ट कार्ड



जवाही

केबल मता

175 गी



To,

The Secretary,

A.E.L. Church Council

Ranchi.

(Bihar)

M. H 339/A

Bill for the month of June 1959

For the Salary and allowances etc. of the month of Teachers of Middle Schools and Contingency grants of such Schools:

1. Name of the Institution: MIDDLE SCHOOL AMLESHA. 3. Name of the Post office: TAMAR 5. Name of the Circle:
 2. Name of the village: AMLESHA 4. Name of the Police Station: TAMAR. 6. Name of the District:

Sl No	Name of the Teachers	Qualification	Scale of pay		Salary due for the month			Dearness allowances		Deduction if any	P.F. Deduction	Total Deduction	Net amount after Deduction	Amount of Contingency	M.O.C.	Remarks
			on 31.1.49	on or after 1.4.49	Basic	Enhancement	Total	D.A.	Total 5c+6a							
1	2	3	4a	4b	5a	5b	5c	6a	6b	7	8	9	10	11	12	13
	Sri C.D. Sirka	J.A.	Rs	Rs		Rs		Rs					Rs			
	Head master's allowance			45/-				15/-	15/-				15/-	15/-	3/-	Certif
	Sri Salan Bheugra	Matric B.S.T.		5/-									5/-			have
	Sri Jaymasih Burti	M.E.E.T.		45/-				15/-	15/-				15/-			pay
	Sri Prabhushay Burti	M.E.E.T.	15/-	46/-		26/-	26/-	15/-	41/-				41/-			
	Sri Anandmasih Guria	M.E.E.T.		46/-		26/-	26/-	15/-	41/-				41/-			
	Sri Guem Burti	M.E.E.T.		45/-		25/-	25/-	15/-	40/-				40/-			
				46/-		26/-	26/-	15/-	41/-				41/-			

Passed for Rs.:-

Accountant:-

District Superintendent of Education Ranchi

C.D. Sirka
Head-Master,Middle School Amlesha,
P.O. Tamar, Dist. Ranchi.

Counter signed for Rs.:-

Deputy Inspector of Schools

Bill for the month of June 1959

and allowances etc. of the month of Teachers of Middle Schools and Contingency grants of such Schools:

Institution: MIDDLE SCHOOL AMLESHA. 3. Name of the Post office: TAMAR 5. Name of the circle: TAMAR.
village: AMLESHA 4. Name of the Police Station: TAMAR. 6. Name of the District: RANCHI

Qualification	Scale of pay		Salary due for the month.			Dearness allowances		Deduction if any	P.F. Deduction	Total Deduction	Net amount after Deduction	Amount of Contingency	M.O.C.	Remarks
	on 31.1.49	on or after 1.4.49	Basic	Enhanced	Total	D.A.	Total 5c+6a							
3	4a	4b	5a	5b	5c	6a	6b.	7		9	10	11	12	13
	Rs	Rs		Rs		Rs					Rs			
G.A.		45/-				15/-	15/-				15/-	15/-	3/-	Certified that the teachers have been paid their Basic pay for the last month
		5/-									5/-			
Native B.S.T.		45/-				15/-	15/-				15/-			
M.E.E.T.	15/-	46/-		26/-	26/-	15/-	41/-				41/-			
M.E.E.T.		46/-		26/-	26/-	15/-	41/-				41/-			
M.E.E.T.		45/-		25/-	25/-	15/-	40/-				40/-			
M.E.E.T.		46/-		26/-	26/-	15/-	41/-				41/-			

C.D. Sirka
for Secretary
M.C. Middle school
Amlesha.

C.D. Sirka
Head-Master,

Middle School Amlesha,
P.O. Tamar, Dist. Ranchi.

Counter signed for Rs:-

Deputy Inspector of Schools Khunti.

Inspector of Education Ranchi

M.M 339/B

Statement for the month of June 1955

Name of School	No. of the Teachers	Trained and untrained Separately		No. of the roll	Average Attendance	Name and qualification of the Teachers	Period of continuous service
		Trained	un Trained				
1	2	3	4	5	6	7	8
	6	5	1	VII 42	40	Sri C. D. Sirka B.A.	From 12-9-1955 in this School.
				VI 34	32	" S. Bhengra Mat. B.S.T.	From 1-4-1951 in this School
				V 35	32	" J. M. Puri M.E.E.T.	From 1-3-1948 in this School
				IV 27	24	" P. S. Puri M.E.E.T.	From 1-3-1951 in this School
				III 25	22	" A. M. Gupta M.E.E.T.	From 1-1-1957 in this School
				II 22	21	" B. Puri M.E.E.T.	From 1-1-1956 in this School
				I 26	24		
				21	195		

C. D. Sirka
 Head-Master,
 Middle School Amlesha,
 P.O. Tamar, Dt. Ranchi.

जी० ई० एल० प्र० पी० स्कूल जटावोली

१९५२ ई० की कुल आमदनी सरकार से

वृद्धि	महंगी	प्र. भा० भत्ता	कुल	कैफियत
५१२/	४०५/	११/	९३४/	सेप्टेम्बर १९५२ का बिलन मेरे तक यब तक हमें नहीं मिला है।
५१२/	४०५/	११/	९३४/	

१९५२ ई० का खर्च

	वृद्धि	महंगी	प्र. भा० भत्ता	कुल खर्च	
वेतन में	५१२/	४०५/	११/	९३४/	

प्रधानाध्यापक

हालन कुलू

दिनांक १३-६-५८

०
 जी० बी० एल० प्र० पी० स्कूल जगदीशपुर
 १९५८ ई० की आमदनी कलौशा से

कलौशा से	रकम	कॉफियत
सिनोद से	२५०/	
स्वामीय चन्दा से	२५/	
-	२७५/	-

१९५८ ई० का खर्च

वेतन में	कॉन्टिजेंसी में	कुल खर्च	कॉफियत
२५६/	१८/	२७५/	-

प्रधानाध्यापक -

हालन कुल

तिथि - १३-६-५८

जी. ई. एल. यू. पी. जटाटोली १६५६ का बजेट
सरकारी ग्रामदानी तथा खर्च

ग्रामदानी		खर्च		
विषय	रकम	विषय	रकम	
ब्राह्म वेतन	६५४/	ब्राह्म वेतन	६५४/	-
महंगी भत्ता	५४०/	महंगी भत्ता	५४०/	
प्र. भ. भत्ता	१२/	प्र. भ. भत्ता	१२/	
कान्टिजेन्सी	-	कान्टिजेन्सी	-	
	१२०६/	-	१२०६/	-

कलीशा की ग्रामदानी का बजेट

ग्रामदानी		खर्च	
विषय	रकम	विषय	रकम
सिनोद से	४४०/	वेतन में	६००/
लुथानीय चन्दा	७२/	कान्टिजेन्सी में	१२/
	६१२/	-	६१२/

प्रधानाध्यापक -

हालन कुलू

तिथि - १३-६-५६

જી. ડી. સ્કૂલ પ્ર. પી. સ્કૂલ જાટાટોલી - દ્વાર વિવરણ

૧૯૫૮

૧૯૫૯

કુલ		આદિવાસી		હિન્દુ		મુસલમાન		હરિજન		ઈસાઈ		આદિવાસી		હિન્દુ		મુસલમાન		હરિજન		ઈસાઈ		કુલ	
બાં	કં	બાં	કં	બાં	કં	બાં	કં	બાં	કં	બાં	કં	બાં	કં	બાં	કં	બાં	કં	બાં	કં	બાં	કં	બાં	કં
૩૧	૧૮	૨૬	૧૪	૫	૪	-	-	-	-	૨૪	૧૪	૩૦	૨૩	૩	૨	-	-	-	-	૨૬	૨૨	૩૩	૨૫
૩૧	૧૮	૨૬	૧૪	૫	૪	-	-	-	-	૨૪	૧૪	૩૦	૨૩	૩	૨	-	-	-	-	૨૬	૨૨	૩૩	૨૫

પ્રધાન/અધ્યાપક -

હાલન કુલ

૧૩-૬-૫૬

श्रीमान् हेड सुपरवैजर साहब
ब्रिगेशन स्कूलस राँची ।

महोदय,

निवेदन है कि मैं सिर्फ जटाटोली स्कूल
का हिसाब भेज रहा हूँ क्योंकि गताटोली स्कूल
शिक्षक के अभाव में इस साल बन्द है। तथा अन्य
स्कूलों नोर्थ जोन के अन्दर हैं इस लिये आप की
चिट्ठी नं० १ उन स्कूलों को भेज दिया है तथा
अपना हिसाब आप ही हेड सुपरवैजर के पास
भेज देने का निवेदन किया है। उम्मीद है वे
अपना अपना हिसाब आप के पास भेज देंगे।

आप का विश्वामृत सेवक —

सिनोद स्कूल सुपरवैजर -

Rev. A. Kullu.
Jatatooly
13-6-59.

प्रेष.

डेड सुपरवाइजर
सुपरान स्कूलस . रांची :

प्रेषित

.....
.....
.....

विधि

अप्रैल १९५६

विषय : १९५८: का वार्षिक आमद:खर्च का व्योरा

महाशय:

आप को विवेदन है कि आप निम्न स्कूलों का १९५८ का
आमद:खर्च का व्योरा निम्न विधिक पर प्रत्येक स्कूल का बतग बतग देने
की कृपा करें :

आमद:खर्च	वर्ग	वर्ग	वर्ग	वर्ग
वैतन और कमिशन	मकान फ. निचुर और पढाई के साधन	होस्टल में	स्कूलों में	वैतन में

नोट: सरकारी मद की आय को इस में न जोड़ें : इस में केवल मंडली और कमिटी
से प्राप्त आय का व्योरा दें:

आप का विश्वास

महाशय:

डेड सुपरवाइजर

१
महाशय:

२

३

४

५

६

७

८

९

१०

११

१२

१३

१४

१५

१६

प्रेष.

हेड सुपरवाइजर
लुथरान स्कूलस . रांची :

प्रेषित

The Chairman...
Marcha Haka...
Marcha...

तिथि

अप्रैल १९५६

विषय : १९५८: का वार्षिक आमद:खर्च का व्योरा

महाशय:

आप से विवेदन है कि आप निम्न स्कूलों का १९५८ का
आमद:खर्च का व्योरा निम्न शिर्षक पर प्रत्येक स्कूल का अलग अलग देने
की कृपा करें :

ग्रामपञ्जी	वैतन और कटेनजेन्सी में	मकान फर्निचर और पढाई के साधन	खर्च	होस्टल में	स्कूलोप बोर्ड में
.....					

नोट: सरकारी मद की आय को इस में न जोड़ें : इस में केवल मंडली और कमिटि
से प्राप्त आय का व्योरा दें:

आप का विश्वास

हेड सुपरवाइजर

- १ Marcha m. E. school.
- २ Bishrampur.
- ३ Amma
- ४ Pimpri
- ५ Pakora
- ६ Khatanga
- ७ Bongda.
- ८ Unikel.
- ९ Naruhatu.

१०

११

१२

१३

१४

१५

१६

प्रेष्य.

हेड सुपरवाइजर
लुथेरान स्कूलस . रांची :

प्रेषित

Rev. Habil Topno...
School Supervisor...
Govindpur.

तिथि

अप्रैल १९५६

विषय : १९५८: का वार्षिक आमद:खर्च का व्योरा

महाशय:

आप से निवेदन है कि आप निम्न स्कूलों का १९५८ का
आमद:खर्च का व्योरा निम्न शीर्षक पर प्रत्येक स्कूल का अलग अलग देने
की कृपा करें :

आमदनी	खर्च
वेतन और कंटेनमेंन्सी में	मकान फर्निचर और पढ़ाई के सामान में
	होस्टल में
	स्कोलशिप वगैरह में

नोट: सरकारी मद की आय को इस में न जोड़ें : इस में केवल मंडली और कमिटि
से प्राप्त आय का व्योरा दें:

आप का विश्वास

हेड सुपरवाइजर

- १ Govindpur H.E School
- २ " M.E. School
- ३ " U. P. School (Girls')
- ४ Gopalpur U. P. School
- ५ Ukrimandi L. P. School
- ६
- ७
- ८
- ९
- १०
- ११
- १२
- १३
- १४
- १५
- १६

प्रेष.

हेड सुपरवाइजर
लुथरान स्कूलस, रांची:

प्रेषित

The Headmaster,
Luth. U. P. School
Taptkara.

तिथि

अप्रैल १९५६

विषय : १९५८ का वार्षिक आमद:खर्च का व्योरा

महाशय:

आप से निवेदन है कि आप निम्न स्कूलों का १९५८ का
आमद:खर्च का व्योरा निम्न सिरीज पर प्रत्येक स्कूल का अलग अलग देने
की कृपा करें :

ग्रामपञ्ची	वैतन और कटनजेन्सी में	मकान फर्निचर और पढाई के सामान	खर्च	हॉस्टल में	स्कॉलशिप वगैरह में
.....					

नोट: सरकारी मद की आय को इस में न जोड़ें : इस में केवल मंडली और कमिटि
से प्राप्त आय का व्योरा दें:

आप का विश्वास

हेड सुपरवाइजर

- १ तपकारा
- २ दिगंजेल
- ३ कोयलारा
- ४ गिरवा
- ५ केशमर
- ६ उफर
- ७
- ८
- ९
- १०
- ११
- १२
- १३
- १४
- १५
- १६

प्रेष्य.

हेड सुपरवाइजर
लुथरान स्कूलस, रांची:

प्रेषित

Revd. Honn Guria.
School Supervisor.
Burgu...

तिथि

अप्रैल १९५६

विषय : १९५८ का वार्षिक आमद:खर्च का व्योरा

महाशय:

आप से निवेदन है कि आप निम्न स्कूलों का १९५८ का
आमद:खर्च का व्योरा निम्न सिरीज पर प्रत्येक स्कूल का अलग अलग देने
की कृपा करें :

आमदनी...	वर्तन और कॉटेनजेंसी में	मकान फ निचुर और पढाई के सामग्री में	खर्च	हॉस्टल में	स्कॉलशिप वगेरह में
.....					

नोट: सरकारी मद की आय को इस में न जोड़ें : इस में केवल मंडली और कमिटि
से प्राप्त आय का व्योरा दें:

आप का विश्वास

हेड सुपरवाइजर

- १ Burgu m.e. school.
- २ Burgu L.P. "
- ३ Darigutu U.P. "
- ४ Jilungkela L.P. "
- ५ Kotna L.P. "
- ६ Barupiri. L.P. "
- ७ Bajigama L.P. "
- ८ Siyankel L.P. "
- ९ Karantoli U.P. "
- १०
- ११
- १२
- १३
- १४
- १५
- १६

कृपया.

हेड सुपरवाइजर
लुथेरान स्कूलस . रांची :

प्रेरित

Revd. T. Bodha.....

G. E. L. Church.....

Amlesha....

तिथि

अप्रैल १९५६

विषय : १९५८ का वार्षिक आमद:खर्च का व्योरा

महोदय:

आप से निवेदन है कि आप निम्न स्कूलों का १९५८ का
आमद:खर्च का व्योरा निम्न शिर्षक पर प्रत्येक स्कूल का अलग अलग देने
की कृपा करें :

आमदनी	वहन और कंटेनरजन्सी में	मकान फर्निचर और पढ़ाई के सामग्री में	खर्च	होस्टल में	स्कोलशिप वगैरह में
.....					

नोट: सरकारी मद की आय को इस में न जोड़ें : इस में केवल मंडली और कमिटि
से प्राप्त आय का व्योरा दें:

आप का विश्वास

हेड सुपरवाइजर

- १ Amlesha m. E. School.
- २ Lombulbaha U.P. "
- ३ Mailpini L.P. "
- ४ Basukocha L.P. "
- ५ Ulihasu L.P. "

६

७

८

९

१०

११

१२

१३

१४

१५

१६

Gorindpur Synod

1. Gorindpur H.E. School.
2. Gorindpur M.E. School.
3. Gorindpur U.P. School.
4. Gopalpur U.P. School.
5. Uksimandi L.P. ✓
6. ~~Jurdag U.P. School~~
7. ~~Pakra U.P.~~

Marcha

1. Marcha m.E. school.
2. Bishrampur. ✓
3. Amma. ✓
4. Bonda. ✓
5. Pimpri. ✓
6. Pakra. ✓
7. Khatanga. ✓
8. ~~Narakhata.~~
9. Uksitel. ✓

Kotbo

1. Kotbo. ✓
2. Banhandih. ✓

Churdag.

1. Churdag. ✓
2. Baglia. ✓
3. Meombiri. ✓

Jurdag.

1. Jurdag. ✓

Kumhari

1. Kumhari. ✓

Lohardaga

1. Lohardaga m.E.
2. Lohardaga U.P.
3. Kumbhatoli L.P.
4. Serenghatu L.P.
5. Arangi. U.P.
6. Jallala U.P.
7. Ranikhatanga U.P. (Individual)

आपकी सेवा

प्रति,
श्रीमान

श्री. सुधा वाइज
लुन्गैरांग स्कूल रांची

प्रति,

श्री. मास्टर / स्कूल सुधावाइज
लुन्गैरांग स्कूल रांची।

विषय - वार्षिक आमद-संच ~~विषय~~ लेखा।

महोदय,
आप से तो मैं निवेदन है कि आप अपने
आपका वह निम्नलिखित स्कूलों का काम-संच
का जोरा निम्न लिखित पर ~~प्रत्येक~~ स्कूल का
अलग-अलग है:-

आमदनी	संच			
मंडलीय	तलब की कंट्रीज में	मजदूरों परिचार की मंडलीय समिति	होस्टल में	कालाधिकार वोटिंग

नोट - ~~आपका~~ सरकारी काम की कार्य को इस में न जोड़ें
आप इस में केवल निम्न संडली से प्राप्त कार्य करवें
करेंगे।

आप का विश्वस्त

Receipt

Annual Financial Statement of School

Name of school _____

Total.

Government Grant. in aid	Enhanced Salary	Dearness Allowance	Hostel Grant	Contingence & other grants
-----------------------------	--------------------	-----------------------	-----------------	-------------------------------

Income from Contribution & Donation Income from Church Income from fee etc. Income from other sources. Total.

Salary	Building	Furniture	Hostel	Contingency
--------	----------	-----------	--------	-------------

Salary / Contingency / Furniture / Teaching appliances / Hostel /

Prize	Gift	Scholarship	Library	Other Expend.
-------	------	-------------	---------	---------------

Library / other Expend.

Teaching appliances.

mm

ALLOTMENT LIST OF GRANT-IN-AID SINCE 1956-57.

	<u>Name of teachers</u>	<u>Rate.</u>
1. Kolomdega U.P.	1. Sri Johan Kandulna	Rs. 6/- P.M.
	2. Sri Boas Samad	6/-
	3. Sri Kuril Kandulna.	6/-
	4. Miss Mariam Kandulna	5/-
2. Gutubahar U.P.	1. Manauti Burh.....	6/-
	2. Daud Topno.....	6/-
	3. Matias Dang.....	5/-
	4. Mansukh Lugun.....	5/-
3. Lomboi U.P.	1. Sri Jiwanmasih Kandulna	7/-
	2. Sri Nehemiah Dang	6/-
	3.	6/-
	4.	
4. Binjhia Pani L.P.	1. Jaimasih Jojo.	4/-
	2. Royan Topno.	3/-
5. Rajabassa U.P.	1.	
	2. Sri Heran Surin	NIL.
	3. Sri Johan Jojo.	
	4.	
6. Ambapani U.P.	1. Sri Junas Soreng.	4/-
	2. Kumari Mariam Kullu	4/-
	3. Unifred Tirkey.	4/-
	4. Ishwaridan Tete.	NIL
7. Kereya U.P.	1. Sri Samuel Kandulna.	6/-
	2. Paulus Bage.	5/-
	3.	5/-
	4.	4/-
8. Latapani U.P.	1.	6/-
	2.	5/-
	3.	4/-
	4.	
9. Raibahar U.P.	1. Sri Zakariah Minz.	6/-
	2. Kumari Salomi Dungdung.	4/-
	3. Sri Junas Kerketta.	4/-
10. Kutnia U.P.	1. Shri Johan Kindo.	4/-
	2. Puranprasad Barla.	4/-
	3. Sri Suban Kindo.	NIL
11. Kahupani L.P.	1. Sri Royal Samad.	4/-
	2. Sri Junas Kandulna	4/-
12. Baraibera U.P.	1.	6/-
	2.	4/-
	3.	NIL.

ALLOTMENT LIST OF GRANT-IN-AID SINCE 1956-57.

	<u>Name of teachers</u>	<u>Rate.</u>
1. Kolomdega U.P.	1. Sri Johan Kandulna	Rs. 6/- P.M.
	2. Sri Boas Samad	6/-
	3. Sri Kuril Kandulna.	6/-
	4. Miss Mariam Kandulna	5/-
2. Gutubahar U.P.	1. Manauti Burh.....	6/-
	2. Daud Topno.....	6/-
	3. Matias Dang.....	5/-
3. Lomboi U.P.	4. Mansukh Lugun.....	5/-
	1. Sri Jiwanmasih Kandulna	7/-
	2. Sri Nehemiah Dang	6/-
	3.	6/-
	4.	
5. Binjhia Pani L.P.	1. Jaimasih Jojo.	4/-
	2. Royan Topno.	3/-
5. Rajabassa U.P.	1.	
	2. Sri Heran Surin	NIL.
	3. Sri Johan Jojo.	
	4.	
6. Ambapani U.P.	1. Sri Junas Soreng.	4/-
	2. Kumari Mariam Kullu	4/-
	3. Unifred Tirkey.	4/-
	4. Ishwaridan Tete.	NIL
7. Kereya U.P.	1. Sri Samuel Kandulna.	6/-
	2. Paulus Bage.	5/-
	3.	5/-
	4.	4/-
8. Latapani U.P.	1.	6/-
	2.	5/-
	3.	4/-
	4.	
9. Raibahar U.P.	1. Sri Zakariah Minz.	6/-
	2. Kumari Salomi Dungkung.	4/-
	3. Sri Junas Kerketta.	4/-
10. Kutnia U.P.	1. Shri Johan Kindo.	4/-
	2. Purnanprasad Barla.	4/-
	3. Sri Suban Kindo.	NIL
11. Kahupani L.P.	1. Sri Royal Samad.	4/-
	2. Sri Junas Kandulna	4/-
12. Baraibera U.P.	1.	6/-
	2.	4/-
	3.	NIL.

ALLOTMENT LIST OF GRANT-IN-AID SINCE 1956-57.

	<u>Name of teachers</u>	<u>Rate.</u>
1. Kolomdega U.P.	1. Sri Johan Kandulna	Rs. 6/- P.M.
	2. Sri Boas Samad	6/-
	3. Sri Kuril Kandulna.	6/-
	4. Miss Mariam Kandulna	5/-
2. Gutubahar U.P.	1. Manauti Burh.....	6/-
	2. Daud Topno.....	6/-
	3. Matias Dang.....	5/-
3. Lomboi U.P.	4. Mansukh Lugun.....	5/-
	1. Sri Jiwannasih Kandulna	7/-
	2. Sri Nehemiah Dang	6/-
	3.	6/-
	4.	
5. Binjhia Pani L.P.	1. Jaimasih Jojo.	4/-
	2. Royan Topno.	3/-
5. Rajabassa U.P.	1.	
	2. Sri Heran Surin	NIL.
	3. Sri Johan Jojo.	
	4.	
6. Ambapani U.P.	1. Sri Junas Soreng.	4/-
	2. Kumari Mariam Kullu	4/-
	3. Unifred Tirkey.	4/-
	4. Ishwaridan Tete.	NIL
7. Kereya U.P.	1. Sri Samuel Kandulna.	6/-
	2. Paulus Bage.	5/-
	3.	5/-
	4.	4/-
8. Latapani U.P.	1.	6/-
	2.	5/-
	3.	4/-
	4.	
9. Raibahar U.P.	1. Sri Zakariah Minz.	6/-
	2. Kumari Salomi Dungdung.	4/-
	3. Sri Junas Kerketta.	4/-
10. Kutnia U.P.	1. Shri Johan Kindo.	4/-
	2. Purnanprasad Barla.	4/-
	3. Sri Suban Kindo.	NIL
11. Kahupani L.P.	1. Sri Royal Samad.	4/-
	2. Sri Junas Kandulna	4/-
12. Baraibera U.P.	1.	6/-
	2.	4/-
	3.	NIL.

16225
16225
16225

$$\begin{array}{r} 9482 \\ 42 \overline{) 4060} \\ \underline{420} \\ 40 \\ \underline{420} \\ 20 \\ \underline{210} \\ 10 \\ \underline{105} \\ 50 \\ \underline{510} \\ 0 \end{array}$$

$$\begin{array}{r}
 11600 \\
 111988 \\
 121200 \\
 \hline
 5250
 \end{array}$$

1211d-10
14 ppe
10d1-13-

28215
17958 x 4
15131

2d2 - 11
2p - 9
1p - 1
1111 - 1
3p - 10
3nd - 10

$$\begin{array}{r} 1111111111 \\ 1111111111 \\ 1111111111 \\ \hline 1011111111 \\ 1111111111 \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 999-8- \\ 125 \\ 10999-8 \\ 1252- \\ 8895-8- \end{array}$$

$$\begin{array}{r}
 8872-8- \\
 1925- \\
 \hline
 10,797-8 \\
 100 \\
 \hline
 697-8-
 \end{array}$$

14628/-

$$\begin{array}{r}
 9488 \\
 10,100 \\
 \hline
 19,588 \\
 14,628 \\
 \hline
 4,960
 \end{array}$$

$$\begin{array}{r}
 249-9-0 \\
 36-10- \\
 144-0- \\
 16-0- \\
 50-6- \\
 595-4- \\
 \hline
 1091-13- \\
 14628 \\
 \hline
 15719-13
 \end{array}$$

$$\begin{array}{r}
 1213-0 \\
 14628 \times 4 \\
 \hline
 58512
 \end{array}$$

$$\begin{array}{r}
 19588 \times 4 \\
 78352 \\
 \hline
 78352
 \end{array}$$

72

$$\begin{array}{r}
 19,588 \\
 17,688 \\
 \hline
 1,900
 \end{array}$$

$$\begin{array}{r}
 8250 \\
 3000 \\
 \hline
 5250
 \end{array}$$

[illegible]

PRIMARY AND MIDDLE SCHOOL

Report from the Head Supervisor,

1. Recognition of Proposed Middle Schools and U.P. Schools.
2. Appointment of Teachers.
3. Transfer of teachers.
4. Superannuation of teachers.
5. Financial Position of Schools- need for its stability, Synod and Illakas & Local congregations to take correct approach in the matter.
6. Planning - Opening of new schools.-
Conversion of Traditional Schools into Basic Schools.
7. Training of Teachers.
8. Religious instruction in schools.
- 9.
- 10.

----- 1. Recognition of proposed M.E. & U.P. Schools.

Due to increase in the number of pupils, the Managing Committee with the cooperation of the local public have been opening new schools and upgrading the Lower Primary schools into Upper Primary schools and Upper Primary schools into Middle Schools. Such initiation is carried on either without consideration or only partially considering the present or future of the schools. Generally, they count the number of pupils but do not consider the financial condition and future prospects of the schools. ~~The schools which have been started~~ The Schools so far ~~been~~ started are facing critical financial difficulties. Such schools have been corresponding with the Head Supervisor and the other school authorities for recognition of their institutions purely with a view to secure financial help from the department to pay the dues of the teachers. Therefore, it is advisable not to start new schools. ~~If any such schools will be started in the future should not look for financial help or at least they should not depend on the departmental aid.~~

The Schools so far started or have been upgraded should fulfil ~~the~~ all the requirements and apply for their *early* recognition.

2. Appointment of Teachers.

~~In the~~ *At* present ~~situation~~ the appointment of teachers have been a difficult problem. The appointment of large numbers of teachers *in the various schools are* is pending since last June, 1958.

increase the number of trained hands
 The department has a plan to ~~impart training to teachers all~~
~~to give appointment to such teachers only.~~
~~the teachers in the provi~~nx~~ province and is imparting training~~
~~to as many ~~xx~~ teachers as possible.~~ Teachers are being deputed
 to training every year in a large ~~mn~~ number. ~~xxxxxx~~
~~under such circumstances it ~~xxxx~~ has become a problem to get~~
~~appointment for the untrained hands.~~ *Thus the appointment of untrained teachers*
~~On the other hand our~~
~~teachers are lacking among the teachers who offer their services~~
~~in our schools.~~ *from* Inspite of guidances ~~for~~ the Head Supervisor
 the Synod as well as local authorities do not ~~pay much~~ *pay much* attention
 to wards the future appointment of teachers, ~~and do not make~~
~~such as a result of which posts are not filled up in time in~~
~~reserve of teachers for the vacancies arising due to deputation,~~
 to training (Short and Regular Course), resignation and super-
 annuation.

3. Transfer of Teachers:- ~~Generally~~ *Most* of our lower and
 upper primary schools teachers are local people, ~~and as such~~
~~it is very difficult to effect transfer from one place to ano-ther~~
~~place even in the ~~xxx~~ time of necessity.~~ *Their transfer is very difficult*
 However, the transfer
 of teachers may be effected in the Primary Boarding ~~Schools~~ and
 in the Middle Schools. It is very necessary to effect transfer
 of teachers from time to time *with a view to increase the efficiency of*
~~for the purpose of efficient~~
 teaching and management, ~~of the schools.~~ The Synod and the
 Local authorities are therefore advised to give ~~suitable~~ *Proposal*
~~of Transfer from time to time~~
~~recommendations for effecting transfers.~~

4. Superannuation of Teachers :-

In our church schools, there are may old teachers
 who have already crossed the service age, but are still working
 in the schools. The Synod school supervisors are requested
 to submit list of such teachers, *who have attained the age of 60 years.*
 They are ~~also~~ *also* requested
 to make suitable arrangements for ~~making~~ making appointment
 in the vacancy so arise. ~~In the absence of planning in this~~
~~connexion some ~~xx~~ wrong persons are superannuated those who~~
~~have not yet attained the retirement age.~~ The vancy so ~~xxxxxx~~
 caused have also not yet been filled up.

5. Financial position of schools:- - need for its
 stability, Synod, Ilaka and local congregations.
 to take correct approach in the matter.

General financial condition of our shurch school is deplorable. In ~~the~~ several occasions ^{the} attention of the Local, Ilaka and Synod authorites was drawn ^{towards the matter} but ~~to~~ no good result could be cultivated.

All the local, Ilaka and Synod authorites are advised to make a constructive programme in this connexion . They should raise fund for ~~the~~ financing their schools with full zeal and copporation . They committeed should not depend ~~gely~~ ^{sely} of ~~the~~ D.A. and enhanced salary of the teachers.

6. Planning -Opening of new school-
Conversion of traditional Schools into
basic schools.

The present policy of Government is to start new ~~xxxxxxx~~ institutions in the line of basic schools and convert the traditional schools into basic schools. Therefore it is advisable that the synod school supervisors should follow the policy of Government as far as practicable.

7. Training of Teachers :

It has been observed that the teachers are deputed to training haphazardly by the Sub-Inspector of schools of the area without considering position of the schools. As a result sometimes singly teacher schools are deserted in the absence of appoint of new teachers in time. Also it has been observed that the female teachers are deputed to training in the institutions where there is no provision of admitting female candidates and as such they are ~~x~~ refused admission. In the case of male teachers also due to influx of trainees for admission in the training institutions they donot get seat and as such they are made to go back to their former posts but not retaken in the schools for no fault in their part.

Therefore authorities should prepare list of teachers well in advance and send it to the Head Supervisor who will consider the list and furnish the consolidated list to the departmental authorities for approval of the list of teachers to be deputed to training .

~~100~~ No. 10
Lutheran Middle School,

Marcha
P.O. Marcha
Dist. Ranchi

22-4-59.

To

The District Superintendent of Schools,
Ranchi.

Through

The Head-Supervisor of
Lutheran Schools, Ranchi.

महाशय,

आप को ज्ञात कराते हैं कि लूथेरन मिडिल स्कूल को ता. 23-2-58 को मैनेजिंग कमिटी में श्रीमान हेडमास्टर ने श्रीमति इविशबा कानगड़ी, मिस्ट्रेस के बारे में निम्न बातों का रिपोर्ट पेश किया :-

- (1) उसका स्वास्थ्य गिर गया है जिससे गैरहाजिर होती रहती है और स्कूल आने से थकित मालूम करती है और पढ़ाई में ध्यान नहीं लगाती है ।
- (2) घर के लोग जुदा होने के कारण खेल करने का भारी भार उसके ऊपर पड़ गया है जिसके कारण स्कूल लैट से आती है और पढ़ाई के काम में ध्यान नहीं देती है ।

P.T.O.

मैनेजिंग कमिटी ने इन बातों के विषय ध्यान पूर्वक विचार किया और यह जानकर कि ऐसा होने से विद्यार्थियों का बहुत नुकसान होता है, फैसला की कि मिस्ट्रेस इलिशबा कोनगडो के विषय District Superintendent of Schools को लिखा जाए कि उसके विषय जांच कराके उचित करवाई करें।

मैनेजिंग कमिटी की इस फैसले के मुताबिक आप से निवेदन करते हैं कि उसके विषय जांच कराके उचित करवाई करें।

आप के विश्वस्त

C. K. Guria

प्रेसिडेंट, मैनेजिंग कमिटी

22-4-59

Giffenrom

सेक्रेटरी, मैनेजिंग कमिटी
खेरोन मिडिल स्कूल
मन्वा

22/4/59

Note:- one copy forwarded to the Dy Inspector of Schools, Khunti for information.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

DEPARTMENT OF PRIMARY EDUCATION

Head Supervisor Lutheran Schools

Mr. N. E. HORO.

G. E. L. CHURCH, RANCHI.

No. 26./59

March 20, 1959.

Mr. Mansukh Horo,
Head Master,
Gopalpur Lutheran M.E.School,
P.O.Mahugaon,
Dt- Ranchi.

Dear Mr. Horo,

You will remember that you came to me early October, 1957 and requested me to introduce you to one of the Booksellers for giving you some Library books on credit for your school. I recommended you to the Pustak Bhawan and had requested him for the same. Accordingly you were given books worth Rs. 116/15/- on credit on 5th. October, 1957. This was done on the hope that you will pay up the cost within some months, as you said you could not pay up in one lump sum. The Pustak Bhawan agreed to this transaction on my recommendation. They did not tell me anything about it, and that they had requested you several times and you have not yet paid up the amount on one pretext or the other. Only yesterday when I happened to meet them, they told me all about it, and I was really sorry. They told me that you have told them that all your school money was lost in the Chotnagpur Bank under liquidation. I do not know what is true, since I know you have no account in that bank.

It is now more than a year and you have not even paid a single instalment. It is very unfortunate. You have lowered my estimation before the firm. Please consider how can I recommend any other school, if once the opinion ~~is~~ of the firm becomes bad towards me or my institutions? I have to deal with them almost every now and then in respect of many schools, primary, middle or high school. Who will respect my recommendations? I am sorry for all this. You will pay up the amount alright, but what about the ~~opinion~~-~~er~~-confidence reposed on me so long?

Please, therefore, PAY UP the money within a WEEK, and inform me of having done so. If you don't do it they will realise the money from me. Please treat it extremely urgent. Yours sincerely,

W. L. 20/3/59

70

10

The Head supervisor Lutheran
School Rau Chi.

महोदय,

आप को धन्यवाद।

कृपया पत्र — इस नं० ३ खंड B: —

Prop. G.E.L. Middle School Chudodag -

को स्कूल के लिये पोस्ट-ऑफिस में ५००/रु० एंजाम
फाइल रखने का 30 May 1958 को मैनेजिंग कमिटी में -
Resolution पास कि गई है, और श्री Christ Royan -
Bhuiya, Secretary, Managing Committee,
G.E.L. Church Middle School के नाम से खेलने का
Head post office Rau Chi में और post office Khumbi
में बढ़ा होने का ज्ञापन रखने का दरखस्त दिया गया है।
आभी तक दरखस्त का कुछ पता नहीं, मैं खुद पोस्ट ऑफिस
में इसका जांच कर फिर से Superintendent of
Head post office Rau Chi को Registered No 90.

3 Apr. 59 को जांच के लिये दिया है। से आप से
आज है। आप भी कृपया जांच कर हम को ज्ञाती देंगे।

जिसे - रु० ५००/- Five Hundred Rs 500/- only. डिपोजिट
हो कर पास हुक जल्द मिले।

आप का विश्वास.

M. C. S. hy.

Christ Royan Bhuiya
Chairman
13.4.59.

To

The Head Supervisor
Lutheran schools Ranchi

Sir —

आप को माहम होने में मेरी मर्जी आपसिक विद्यालय
का सहायक शिक्षक-देरा तोपनो को नीचे लिखे समयों
का नेतन नहीं मिला है। जुलाई १९५६ से दिसम्बर ५६
तक मैंने का कुल १३८ रु० आप को द्वारा ~~का~~ मेरी
जिज्ञासा शिक्षा अधीन ~~का~~ को कागज दिया जा चुका है
और अगर शिक्षा निरीक्षण तौर पर से भी बिल

दिया गया है। श्रीमान
 साहब इसमें धीन से नात
 जो छुटाने में इतना देर हुआ
 श्रीमान से निवेदन है इसके
 विषय में जॉय कर के बोलन
 दिखाने की गुणा करें !
 लि०

2nd Pandit
 Heratjono L.P.S.
 Therambis. Barda
 22/3/57 Ranchi



The
 Head Supervisor
 Lutheran School
 Ranchi District

To
The Head supervisor
Lutheran School Ranchi

महाशय -

आप को सादर होने - मैं १६५६ ई. के -

S.T.C. में साप्ताहिक प्राप्त किया। देखिं गये
तम के प्रधान ^{पे} मुली मनोहर के १६-१२-५६ के
आगज से मिली। निम्न I.C. अग्रत -
नहीं मिली।

T.C. का *copy* के
लिपे इन्सपेक्टर से जिन
हैं / इसलिपे धीमान से मन्त्रोप
है कि T.C. दिलाने की
मेहरबान हो।

Hera Tapano
Lip. School
Meram big 28/3/59



पोस्ट कार्ड
जवाबी
R. कपिल पता



To
The
Head Supervisor
Lutheran Schools
Raneri Dist.

To,

The Head supervisor Lutheran
School Rau Chi.

महोदय,

आप को धन्यवाद ।

कृपया पत्र — इस नं० २ खंड 10: —

Prop. G.E.L. Middle School Chudvas -

को स्वीकृत के लिये पोस्ट-ऑफिस में 400/- रु० एजार्म
फाइल रखने का 30th May 1958 को मैनेजिंग कमिटी में -
Resolution पास किई है. और श्री Christ Royan -
Bhuiya, Secretary, Managing Committee,
G.E.L. Church Middle School के नाम से खेलने का
Head post office Rau Chi में और post office Khundi
में बदला होने का बिले रखने का दरखस्त दिया गया है.
आभी तक दरखस्त का कुछ पता नहीं, मैं खुदी पोस्ट ऑफिस
में इसका जांच कर फिर से Superintendent of
Head post office Rau Chi को Registered No 70.

3 Apr. 59 को जांच के लिये दिया है. से आप से
आज है. आप भी कृपया जांच कर हम को जानती देंगे।

जिसे - रु० 400/- Five Hundred Rs 500/- only डिपोजिट
हो कर पास बुक जल्द मिले।

आप का विश्वास.

M. C. S. hy.

Christ Royan Bhuiya
Church
13.4.59.

To

11/11/61

The Head Supervisor,
Lutheran Schools Ranchi.

Sir,

निवेदन यह है कि मैं अपना कुल-
बकाया बैसिक वीतन स्थानीय चर्च कमीटी से
पाया। अब मुझे ज्ञात है जो जो कुछ बतता मिल रहा
है। इसी में अब मुझे संतोष है। मुझे दुःख है
कि मैं इन बातों का रिपोर्ट D. S. E. Ranchi को
दिघा। यह मेरी भारी सूल थी। इसके लिए मैं आप
से क्षमा याचना करता हूँ। अब इस तरह का बरखेड़ा
नहीं करूँगा। घर का बात बाहर करना अच्छा नहीं
है। कृपया मेरी सूल चुक माफ कर देंगे।

मैं इस पत्र के साथ में दो कापी
Clearance Certificate की दो कापी भेज रहा हूँ।
कृपया इसी एक कापी D. S. E. Ranchi के
कार्यालय में भेज देंगे और एक अपने पास
रख लेंगे। ताकि मेरा Block Grant जो रुका हुआ
है मिल सके। मुझे मार्च ५६ तक मिल चुका है। अप्रैल
५६ से नहीं मिल रहा है। कृपया इसका उचित
प्रबन्ध करेंगे।

कम्पायली
तारीख: दही जनवरी १९६२ ई.
Reply please.

आप का विश्वस्त
सर्वक
हरमियाह कुजूर
हैड मास्टर
जी. इ. एल. मिश्रा एल. पी. स्कूल
कम्पायली

आधार वेतन चुकीती प्रमाण पत्र , ११/११/११
(दस रुपया प्रति माह की दर से)

नवम्बर-१९५६ से दिसम्बर-१९५६ तक - २०)
जनवरी १९५७ से दिसम्बर-१९५७ तक - १२०)
जनवरी १९५८ से दिसम्बर-१९५८ तक - १२०)

टीटल - २६०)

मैं प्रमाणित करता हूँ कि उपरोक्त रकम कुल
२६०) रुपया स्थानीय चर्च कमीटि से पा लिया
हूँ।

इरमियाह कुजूर
प्रधानाध्यापक

जी. इ. एल. मिशन एल. पी.
एड्स कुम्लारीली।

११/१२

Lohardaga Orissa

7/11/59.

आधार वेतन चुकौती प्रमाण पत्र -

(१०) रुपये प्रति माह की दर से)

नवम्बर १९५६ से दिसम्बर १९५६ तक -	२०)
जनवरी १९५७ से दिसम्बर १९५७ तक -	१२०)
जनवरी १९५८ से दिसम्बर १९५८ तक -	१२०)
Total -	२६०)

मैं प्रमाणित करता हूँ कि मेरा उपरोक्त आधार वेतन स्थानीय चर्च कमिटी से समय समय पर ~~माँचा~~ ~~हूँ~~ मिल गया है।

इरमियाह कुजूर ६/१/५८
प्रधानाध्यापक

जी. इ. एल. मिशन एल. पी. स्कूल
कुम्हाटी ली।

Lohardaga Circle

६/१/५८

Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

Secretary : Mr. N. E. HORO

G. E. L. CHURCH, RANCHI,

Ref: 329 /59-HS-IO.

Dated the 30 th. March, 1959.

-S-

Sri P. Lall,
Circle Officer, Tamar,
At & P.O. Bundu,
Ranchi.

Sub: Piece of land situated in vill- Birbanki tola
Umbulbaha, Tamar, plot No. 2222 measuring 0.83 a.

Ref : Your No.474/LR dated 29 th. March 1959.

Sir,

I am acknowledging receipt of your above quoted letter which I received to-day per bearer. Thanks.

In this connection I have to observe that I have already replied to your letter No. 369 of 5 th. March '59 under my office no 272/59 of 12 th. March '59, to which you sent me your letter No.429/ on 19 th. March '59. I sent you my replies to your No.429/LR of 17.3.59 under my letter No.319/59 of 19 th. March, 1959 through per care of Sri Boas Tiru, Headmaster of the Proposed Lutheran Middle School, Umbulbaha (a copy enclosed herewith), and I believe that was duly delivered to you. It is really surprising to me to find you referring to your previous letter when the matter has gone further ahead through correspondence from both the sides.

May I therefore request you to refer to my letter No.319/59 dated the 19 th. March '59 in which I have very clearly discussed all the points with regard to the land in question. I have no further proposals to make before you than what I have said in there. I do not think that our action in setting apart the land for the school in question in the manner that we have done is objectionable, untenable, unacceptable or unworkable. We certainly are not standing on the way of the government by this arrangement and we do not intend to by-pass government rules and regulations, but in an effort to convince you and your department I have discussed all the points relevant in my letter under reference. It would be a pity, if for this, just this- you have to withdraw further payments to the school and institute certificate case for the purpose of realising the money that you have so far advanced for the construction of the school - which has all been spent out as you yourself know as a fact.

To-morrow is the last day of the financial year 1958-59. I am requesting you to accept the resolution of the church council re: allotment of lands to the Umbulbaha school, in place of the document submitted to you earlier by the Rev. Namjan Horo of Umbulbaha (I have already said that Rev. N. Horo did so without authority) and allow the school authorities to receive ~~the amount~~ the amount due to them as government subsidy. I understand that you have already drawn the money from the Treasury and the amount is with you for disbursement, and as such, there will be no difficulty in paying up the amount even after 31 st March.

In case you do not agree, we will prefer an appeal to the government; and I am convinced that we will be able to satisfy the government. In case, even the government does not accept this arrangement, the matter can only be decided through a process of law.

I must mention here that the church council and the school managing committee will not be bound, and ~~is not~~ not bound by the declaration of Rev. Namjan Horo in respect of the land in question
p/t/o.

Dated the 30th March 1959.

-2-

159-15-10

in question, since that is an unauthorized document. Since you proceeded on the matter in spite of this, we only wanted to regularise it. Your proposal cannot be acceptable since that would mean taking the church of its properties. I hope you will please reconsider the matter and settle it.

Yours faithfully,

Yours No. 474/IR dated 29th March 1959.

Secretary, GEL Church,
Ranchi.

I am acknowledging receipt of your above quoted letter which I received to-day per bearer. Thanks.

In this connection I have to observe that I have already replied to your letter No. 309 of 5th March '59 under my office No. 272/59 of 12th March '59, to which you sent me your letter No. 429/59 on 19th March '59. I sent you my replies to your No. 429/IR of 17.3.59 under my letter No. 319/59 of 19th March 1959 through per care of Sri Boss Tirm, Headmaster of the Proposed Lutheran Middle School, Umbul-Bahad, a copy enclosed herewith, and I believe that was duly delivered to you. It is really surprising to me to find you referring to your previous letter when the matter has gone through through correspondence from both the sides.

May I therefore request you to refer to my letter No. 319/59 dated the 19th March 1959 in which I have very clearly discussed all the points with regard to the land in question. I have no further proposals to make before you than what I have said in there. I do not think that our action in setting up the school in question is objectionable, unacceptable, un-acceptable or unworkable. We certainly are not standing on the way of the Government by this arrangement and we do not intend to by-pass Government rules and regulations, but in an effort to convince you and your department I have discussed all the points relevant in my letter under reference. It would be a pity, if for this, just this - you have to withdraw further payments to the school and institute certificate case for the purpose of realising the money that you have so far advanced for the construction of the school - which has all been spent out as you yourself know as a fact.

To-morrow is the last day of the financial year 1958-59. I am requesting you to accept the resolution of the church council re: allotment of lands to the Umbulbahad school, in place of the document submitted to you earlier by the Rev. Nanjan Horo of Umbulbahad (I have already said that Rev. N. Horo did so without authority) and allow the school authorities to receive Government subsidy. I understand that you have already drawn the money from the Treasury and the amount is with you for disbursement, and as such, there will be no difficulty in paying up the amount even after 31st March.

In case you do not agree, we will prefer an appeal to the Government; and I am convinced that we will be able to satisfy the Government. In case, even the Government does not accept this arrangement, the matter can only be decided through a process of law.

I must mention here that the church council and the school managing committee will not be bound, and I am not bound by the declaration of Rev. Nanjan Horo in respect of the land in question.

No. 868 L-R.

From. Sri P. Lal

Circle Officer, Tamar

To, The Secretary G.L. Church, Raveli

Dated Pondicherry 29th March 59

hes
393/59 Subject:- Piece of land situated in village
Bisbanai Tota Umbala Plot no. 2222

Area- 0.83 Decimals

Reference:- This office letter no. 369 of 5-3-59

Sir,

With reference to this office letter no. noted above, I have to say that no information has been received from you up till now. Hence I again remind you through this letter that the Deputy Collector Surchange Khunti has been pleased to observe that the Surrender petition should be without any condition. The land should be ~~be~~ surrendered for the public purposes unconditional and should be addressed to me immediately otherwise, after closing of financial year there is no way out except to realise outstanding amount by certificate. This is for your information and necessary compliance.

Yours faithfully

Circle Officer
29/3
29/3 Tamar

Typed copy sent to
Bundus
Co.

Shri P. Lall
Circle Officer, Tamar
H + P.O. Bundus
Ranchi

No 319/59
19-3-59

Sul: Piece of land situated in village
Birbanki tola Umbalbaha, Tamar,
Plot no. 2222 measuring 0.83 dec.

Ref: Your no. 429/LR - D 17th March '59.

Sir,
Reference your above ~~to~~ quoted letter I have
to state that the Rev. C. V. Huro who gifted
plot no. 2222 measuring 0.83 dec. on December
12, 1956, did so without our knowledge
and consent and not knowing that the said
piece of land is held by the Board of Manage-
ment of the H.G.L. Church Properties (or-
ganisation of the Mission Trust of Northern
India) and he was not an authorised agent
to pledge the Trust lands. ~~His facts~~ It is
obvious that he did so ignorantly and not
knowing the full implications of this transaction;
It came to our knowledge after your office
paid first instalment towards 50% contri-
bution in the total estimated cost of the
project.

Consequently I moved the Church Council
to regularise this deal and hence the resolu-
tion of the Church Council setting apart 0.83
dec of lands in plot No 2222 (vide copy
enclosed). This resolution of the Church Council
should not be misunderstood. The same kind
of resolutions have been made in respect of
other schools of this Church when the Educa-
tional department wanted an assurance that
the schools concerned possess sufficient
lands. This arrangement has been accepted
by the department and accordingly such
schools were recognised by the govern-
ment. By this arrangement the school man-
aging Committee will possess the lands on behalf
of the Board of Management of the H.G.L.
Church Properties. ~~By this arrangement~~ ~~the school man-~~
~~the department~~ ~~land permanently~~ ~~would mean that the~~
Surrendering or gifting the

and he has since
apologised for
the same

The department
wanted this assurance
since it would
from time to time
give grants for
general or building
purposes.

(New Para)

According to
your proposal,

True-Copy

KIRCHLICHE HOCHSCHULE BERLIN

Berlin-Zehlendorf. Heimat 27

TELEFON 847567-68

- Der Ephorus -

den 28 February 1959

Wie wir erfahren, beabsichtigen die Herren

Paul Singh und

Paulus Kherketta,

Studenten von der GoBnerkirche in Indien, an der Kirchli-
chen Hochschule in Berlin-Zehlendorf zu studieren abudier

क्र. ४६८

भारत सरकार के सेवार्थ ।

(पता मितव्यय पुर्जें पर लिखा जाय ।)

जि.म. च. रा.

राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र खरीदें ।

कानपुरकी ५३—एच—संख्या २४६ ए।
विद्युत एच.सी. प्रस. गया।—मा. ५५।

अंक २७

✓
school ultimately cease to be the property of
the church and the land in question would
cease to be church property. This would vitally
affect the church - in its administration of
trust properties and we would be debarred
from establishing and administering institutions
educational institutions according to our
choice (cf. Art 30-1 & 2 Indian Constitution)
We have been running several - High, middle
and Primary schools not only in this district
but in ~~five states~~ other districts & in
Bihar, and Orissa, M.P. Bengal and Assam.
We have received government money for
improving school buildings and we ~~have~~
where have we been asked to surrender
lands in the manner proposed to be done
in respect of Prof Umburbaha M.V.
school. I would therefore plead with you
to accept the resolution of the church
Council in place of the pledge made
out by Rev. C.N. Hoo on 12th Decem-
ber 1956. As I pointed out above, the
pledge made by Rev. C.N. Hoo is unwar-
anted and unauthorised and that should
not be the basis of receiving or granting
government money. That would, in future,
involve this church and the government,
may be, in unwanted and unnecessary
litigation. I would hate to be involved as
such. I believe, you ~~would~~ ^{will} appreciate
my point of view, which is the view of the
church administration. As far as I know,
government will not lose anything if they
accept our proposal, since in several
cases in similar circumstances trans-
actions have been done. On the other
hand, the church will be handicapped
seriously if I accept your proposal
in its administration of trust properties and
in the establishment and administration of

True-Copy

KIRCHLICHE HOCHSCHULE BERLIN

Berlin-Zehlendorf. Heimat 27

TELEFON 847567-68

- Der Ephorus -

den 28 February 1959

Wie wir erfahren, beabsichtigen die Herren

Paul Singh und

Paulus Kherketta,

Studenten von der GoBnerkirche in Indien, an der Kirchli-
chen Hochschule in Berlin-Zehlendorf zu studieren mündig

Trust school.

Since the institution involved is an educational one and since it has received money to the tune of Rs 1500/- as I am told, which has already been spent out towards constructing the school building I would request you to kindly reconsider ~~some~~ if it is not worthwhile to in the general interest, to accept the Church Council's resolution re: the lands in place of the previous pledge of Rev. C.W. How. The government rules and procedures, which are comprehensive and general, are not affected. Here and there exceptions and adjustments are made and I know it is ~~not~~ the government's policy to ~~touch~~ ~~use~~ ~~use~~ help and improve educational institutions in all manner and ways possible.

In case, you cannot accept our proposal the only alternative is to refund the money; and obviously that cannot be done within the financial year. You will undoubtedly realize the money by instituting a certificate case; and what will happen? — the school will be ruined and a bad taste left behind. It will be an unfortunate thing if in the effort to improve and help the school ~~the~~ it is ruined and liquidated.

As I see, the matter rests with you and the government either to accept or reject our proposal. For us, it is difficult to agree to part with the land — for that would lead to our losing the school, by the managing Committee ~~would~~ becoming independent. The local public also do not agree with us. Please therefore let me know if after reconsideration our proposal is unacceptable to you & the government.

Yours faithfully
W. 19/3/55

True-Copy

KIRCHLICHE HOCHSCHULE BERLIN
Berlin-Zehlendorf. Heimat 27

TELEFON 847567-68

- Der Ephorus -

den 28 February 1959

Wie wir erfahren, beabsichtigen die Herren

Paul Singh und

Paulus Kherketta,

Studenten von der GoBnerkirche in Indien, an der Kirchli-
chen Hochschule in Berlin-Zehlendorf zu studieren studier

Estimated Cost of the
Building - Rs. 6000/-
50% cut to the women's program
under the work program
money advanced Rs. 1500/-

To,

The Secretary,

C.C.C. Church Ranchi.

महोदय,

उम्बुल बहा प्रस्तावित मिडिल स्कूल भवन
बनाने के लिये जो जगह, सरकार को C.C. फैसला
के द्वारा इकरारनामा लिखके दिया गया है। उसको
वह मंजूर नहीं करती है। इसी कारण वह दूसरा
धर्म का जो रुपया मिलने का है, नहीं देती है।
वह इस छोटी सी पुजी में आपका इकरारनामा
लिखके दी है, इसी अनुसार इकरारनामा मांग
रही है। सो आप इस विषय पर शकिल भोगि-
सर से बात चीत करने की कृपा करे। इसी
फैसल में रुपया मिलने का है।

आप का विश्वास

Rev. J. Kandaulna.

Umbulbaha Parish

Chairman

11-3-59

इस्वीपा नामा -

५. आए जाता हूँ कि भोजन निवर्तक
आता न. ६५ आता तमाड़ (आता न. १२६) लौटन.

२२२२

एकवा. २२. २२. साकार भी

उम्भल बाहा एम. सी. स्कूल वतानीके
किमी दिया उसमें हमार कीइ दावी
नही रहेगा रु इस लिमे यह
इकरा वाना (इस्वीपा) लिख दिया
कि वतन पर आन गीने।

५७७७७

मिले गुंथल पदाधिकारी तमाड़
इस गुंथल

No 822/L.R

EXPRESS

From

Shri P. Lal
Circle officer, Tamas at Bunder

To

The Secretary G.E.L. Church
Ranchi.

Sub:- Your Letter No 272 Dated 12.3.59

Dated Bunder the 19th March, 59.

Sir,

Kindly refer to your letter number quoted above and in this connection I am to inform you that the Scheme (Umbarbaha M.E. School) was sanctioned under Local works programme of State Government and the money has been advanced for construction of school building only. The State Government will bear 50% cost. The State Government has nothing to do with other things of the school. Simply "Five year plan" and year in "Hindi" will have to be engraved on the school building. A number of Missionaries have taken up schemes under Local works Programme on the same conditions and I don't think you should have objection as regards your previous surrender & am sending surrenders of the Land. I am sending same to the higher authorities for approval and if there will be no objection the Scheme will be allowed to continue.

Kindly reconsider the matter once again if you don't agree kindly ask the contractor of the scheme to refund the money ~~and~~ within 31st March, 59. An early reply is requested.

Yours faithfully.

16/3

Circle officer, Tamas
At S.P.O. Bunder.
(Ranchi)

Shri
16/3/59.

Memo no.369.

From

Shri P.Lall,
Circle Officer, Tamar,
At. Bundu,

To,

The Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

Bundu, dated 5th March 1959.

Sub:- Piece of land situated in village Birbanki tola Umbulbaha,
Tamar, Plot no.2222, area - 0.83 dec.

Ref. Your letter no.1151 dt. 5.6.1958.

Sir,

Reverence is invited to your above cited memo no and I have to say in this connection that your proposal is objectionable. The surrender must be unconditional. The financial year is closing very soon and as such I cannot wait for your above objectionable proposal. After, 31st march the outstanding money will be realised by certificate. Opportunity is once again provided to you that if you want to set apart that piece of land, it must be unconditional. If you agree inform me soon otherwise, after closing of financial year there is no way out except to realise outstanding amount by certificate.

Yours faithfully,

Sd/- P.Lall,
C.O.Tamar.

Memo No. 273/59, dt. 12.3.59.

Copy forwarded to :-

Page -2.

1. Sri .Boas Tiru, Headmaster, M.E.School, Umbulbaha.
2. Rev. Jusaph Kandulna, G.E.L.Church, Umbulbaha.
3. Rev. Z.Bodra, G.E.L.Church, Amlesha.
4. Rev. Itmon Guria, G.E.L.Church, Burju.
5. Mr. P.D.Kandulna, Secy-Manager, Bd. of Prop.
27 Hum Pipe Road ,Jamshedpur, Singbhum,

for information& needful.

20/12/13
Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

Memo no. 3E✓

From, Shri P. Lal
Circle Officer, Jamar
Ht - Bundu.

To, The Secretary
G.E. & Church, DANERI.

Bundu, dated 2 March 1959.

Sub:- Piece of land situated in village Nibanki Hla
Umbulbata, Jamar; Plot no 2222; area-0.83 dec

Ref:- Your letter no 1151 dt 5.6.1958.

Sir, Reference is invited to your above cited memo no and I have to say in this connection that your proposal is objectionable. The surrender must be unconditional. The financial year is closing very soon and as such I cannot wait for your above objectionable proposal. After 31st March the outstanding money will be realised by certificate. Opportunity is once again provided to you that if you want to set apart that piece of land, it must be unconditional. If you agree inform me soon. Otherwise, after closing of financial year there is no way out except to realise outstanding amount by Certificate.

Yours faithfully.

4/3

C.O. Jamar.
Sd/-
4/3/59

Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

Secretary : Mr. N. E. HORO

G. E. L. CHURCH, RANCHI.

Ref: No. 272/59

Dated 12th March, 1959.

To,

Sri P. Lall,
Circle Officer Tamar,
At. & P.O. Bundu,

Sub:- Piece of land situated in village Birbanki
Tola Umbulbaha, Tamar, Plot No. 2222, area --
0.83 dec.

Ref:- Your memo no. 369 dated 5th March 1959.

Sir,

I do not exactly know under what terms and conditions you have advanced money to the Umbulbaha Lutheran Prop. M.E. School; and whether it is a loan or a grant is not clear.

The said school belongs to the G.E.L. Church and the Church Council has set apart 0.83 dec. of its lands situated in Umbulbaha for the school for a specific purpose and for a specific period. The same is the case with other educational institutions of the church and the Educational department has accepted this arrangement - rather it is at their own suggestions. Under the circumstances the question of our surrendering the land unconditionally does not arise.

As far as I know the full implications of the terms and conditions were not fully explained to the school Managing committee under which money was advanced to them. The person or persons who undertook to receive money from you in the name of the school and who pledged the land in question were not authorised by us to do so. Under the circumstances, I should think that the money in question is refunded to you. Obviously the arrangement made with you was ignorantly done without knowing the full implications of the case.

Yours faithfully,

Sd/-N.E.Horo.

Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

Memo No. 272/59, dated 12/3/59.

Copy forwarded to: (1) Mr. Boas Tiru, Headmaster, Prop. M.E. School, Umbulbaha, (2) Rev. Jusaph Kandulna, G.E.L. Church, Umbulbaha, (3) Rev. I. Guria, S.P., GELC, Burju, (4) Mr. P.D. Kandulna, Secy-Manager, Bd. Prop. GELC. (5) Rev. Z. Bodra, GELC. Amlesha.

Since the Umbulbaha Luth. M.E. School belongs to the church and its lands can only be set apart by a resolution of the C.C. for the specific purposes of its institutions the question of surrendering its lands unconditionally does not arise. If the circle officer, Tamar wants us to surrender our lands unconditionally and holds our arrangement to be objectionable to him, the money received from him may be refunded to him. In future no one should deal with any Government department, where money or land is involved without the proper and previous knowledge and permission of the church council and the Property Board. The Parish

P.T.O.

Date: 12th March, 1959.

Page - 2.

The Parish Chairman and school committee should take it as or warning. In the present case previous permission was not obtained from the church council the property Board.

The Headmaster and Parish Chairman Rev. J. Kandulna should explain to me the present position of the case. It seems the C.O. Tamar is asking the school committee to refund the amount. This should be treated urgent.

Secretary,

G.E.L. Church, Ranchi.

The said school belongs to the G.E.L. Church and the Church Council has set apart 0.50 dec. of its lands situated in Umbulana for the school for a specific purpose and for a specific period. The same is the case with other educational institutions of the church and the Educational Department has accepted this arrangement - rather it is as their own suggestions. Under the circumstances the question of our surrendering the land unconditionally does not arise.

As far as I know the full implications of the terms and conditions were not fully explained to the school Managing Committee which money was advanced to them. The person or persons who undertook to receive money from you in the name of the school and who pledged the land in question were not authorized by us to do so. Under the circumstances, I should think that the money in question is returned to you. Obviously the arrangement made with you was ignorantly done without knowing the full implications of the case.

Yours faithfully,

Sd/- N. E. HORO.

Secretary,

G.E.L. Church, Ranchi.

Memo No. 252. / 59, dated 12/3/59.

Copy forwarded to: (1) Mr. J. Kandulna, Headmaster, Prop. School, Umbulana; (2) Rev. J. Kandulna, G.E.L. Church, Umbulana; (3) Rev. J. Kandulna, G.E.L. Church, Ranchi; (4) Mr. P. D. Kandulna, Secy-Manager, G.E.L. Church, Ranchi.

Since the Umbulana G.E.L. School belongs to the church and its lands can only be set apart by a resolution of the C.O. for the specific purposes of its institutions the question of surrendering its lands unconditionally does not arise. If the circle officer, Tamar wants us to surrender our lands unconditionally and holds our arrangement to be objectionable to him, the money received from him may be refunded to him. In future no one should deal with any Government department, where money or land is involved without the proper knowledge and permission of the church council and the property Board. The Parish

Sir P. Lall
Circle Officer Tamesar
Hk-2 PO Bunder

July: Piece of land situated in village
Brisbanki tota lembulbaha, Tamas,
Plot no 2222, area 0.83 dec.

Ref: your memo no. 369 of 5th March 55.

12.

I don't exactly know under what
terms & conditions you have advanced money
to the Umbelbaba Luthran Prof. M.E.
School; and whether it is a loan or a
grant is not clear. It belongs to the S.E.L.

grant is not clear.
The said school belongs to the S. E. L. Church and like any other educational institution of this church its lands are set apart and the church council has set apart 0.83 dec. of its lands situated in Umbulbala for the school for a specific purpose and for a specific period. This policy is the same as the case with other educational institutions of the church and the Educational department has accepted this arrangement - rather it is at their own suggestion. Under the circumstances the question of our ~~land~~ surrendering the land unconditionally does not arise.
I know the full impli-

Finally do not
 As you know the full impli-
 cations of the terms & conditions were not
 fully explained to the school managing
 committee under which money was advanced
 to them. The person or persons who undertook
 to receive money from you in the name of
 the school and who pledged the land in
 question were ~~not~~ authorised by us to do so.
 Under the circumstances, I should think
 that the money in question is repaid
 to you. Obviously the arrangement
 made with you was ignorantly done
 without knowing the full implications
 of the case.

Yours faithfully
 W. H. B.

your faithfully
at 11/3
Seymour S. Borden

[illegible]